RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 12 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :49 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 06 बजे

www.khabariya.com

# एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण बाजार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 298 | गाजियाबाद, मंगलवार 12 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

## ईडी के अधिकारों को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हाईकोर्ट जाने की दी नसीहत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) की धारा 44 के तहत जांच करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारों को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। देश की सबसे बड़ी अदालत ने उन्हें हाई कोर्ट जाने की नसीहत दी। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बघेल की याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि इस प्रावधान में कुछ भी गलत नहीं है। पीठ ने साथ ही कहा कि अगर इसका (धारा 44) दुरुपयोग हो रहा है तो पीड़ित पक्ष हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

## वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में नया इनकम टैक्स बिल 2025 किया पेश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में इनकम टैक्स बिल, 2025 का रिवाइज्ड वर्जन पेश किया, जिसमें भाजपा नेता बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय चयन समिति द्वारा की गई अधिकांश सिफारिशों को शामिल किया गया है। लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, "ड्राफ्टिंग के नेचर, वाक्यांशों के अलाइनमेंट, परिणामी परिवर्तनों और क्रॉस रेफरेंसिंग में सुधार किए गए हैं।" उन्होंने आगे कहा कि भ्रम से बचने के लिए पहले वाले बिल को वापस ले लिया गया था। उन्होंने कहा कि रिवाइज्ड बिल निष्पक्षता और स्पष्टता में सुधार करेगा और कानून को मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप बनाएगा।

## गैर-मराठी भाषियों पर हमला मामला : राज ठाकरे के खिलाफ दायर की गई थी याचिका, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सुप्रीमो राज ठाकरे और उनकी पार्टी के खिलाफ गैर-मराठी भाषियों पर कथित हमलों के मामले में दायर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में आगे नहीं बढ़ सकी। शीर्ष अदालत ने सोमवार को इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गैर-मराठी भाषी लोगों पर हो रहे हमलों में राज ठाकरे की भूमिका रही है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि इस मामले में राज ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, चुनाव आयोग को निर्देश देकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की मान्यता रद्द करने की अपील भी की गई थी।

## मोदी ने ज़ेलेंस्की से बात की, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के दो दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बात की और रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हर संभव सहयोग देने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय साझेदारी में प्रगति की समीक्षा भी की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि श्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति श्री ज़ेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान श्री ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन से जुड़े ताजा घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार साझा किए।

# 'वोट चोरी' के खिलाफ विपक्ष का संसद से ईसी तक मार्च

### पुलिस ने कई बड़े नेताओं को हिरासत में लिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने सोमवार को संसद भवन से चुनाव आयोग मुख्यालय तक पैदल मार्च किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने संसद मार्ग पर बैरिकेड लगाकर मार्च को रोक दिया और कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया।

मार्च में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत, तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, एनसीपी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, कांग्रेस की कुमारी शैलजा, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत तृणमूल, डीएमके, एनसीपी, सपा और अन्य विपक्षी दलों के सैकड़ों सांसद शामिल हुए।

सांसदों ने सफेद रंग की टोपी पहन रखी थी जिस पर 'एसआईआर' और 'वोट चोरी' लिखा था तथा लाल रंग से क्रॉस का निशान बना था। संसद के मकर द्वार पर राष्ट्रगान के साथ विरोध की शुरुआत हुई, जिसके बाद विपक्षी सांसदों ने "वोट चोरी बंद करो" के नारे लगाते हुए पैदल मार्च शुरू किया।

दिल्ली पुलिस ने संसद मार्ग पर बैरिकेड लगाकर मार्च को रोका। इस दौरान कई नेताओं और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव बैरिकेड फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश करते नजर आए और बोले, "हम वोट बचाने के लिए बैरिकेड फांद रहे हैं। जिन लोगों ने वोट काटे हैं, उनके खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए।" पुलिस ने निषेधाज्ञा उल्लंघन का हवाला देते हुए नेताओं को बस में बैठाकर संसद मार्ग थाने ले जाया, जहां कुछ देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। हिरासत में लिए जाने के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा, "यह सरकार डरी हुई है।"

मार्च के दौरान राहुल गांधी ने कहा, "सच्चाई देश के सामने है। यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है, 'एक व्यक्ति एक वोट' की लड़ाई है। हमें एक साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहिए।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया, "भाजपा की कायराना तानाशाही नहीं चलेगी। यह जनता के वोट के अधिकार को बचाने की लड़ाई है। अगर सरकार हमें चुनाव आयोग तक पहुंचने नहीं देती, तो उसे किस बात का डर है?"

कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, "चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है और सीनाजोरी भी कर रहा है। बिहार में 65 लाख वोट काटे गए हैं, न सूची दी जा रही है, न कारण बताया जा रहा है। राहुल गांधी की यह मुहिम अब पूरे देश में फैलेगी।"

यह प्रदर्शन राहुल गांधी द्वारा 7 अगश्त को बेंगलुरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के आंकड़े सामने लाने के बाद हुआ। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि वहां 1,00,250 मतों की चोरी की गई, जबकि बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट 2019 में भाजपा ने सिर्फ 32,707 वोटों के अंतर से जीती थी। उनका दावा था कि यही 'वोट चोरी मॉडल' देशभर में लागू किया जा रहा है।

विपक्ष ने चुनाव आयोग से मांग की है कि वह मतदाता सूची में गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराए, सभी हटाए गए मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करे और पारदर्शी तरीके से सही मतदाता सूची तैयार करे। विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो यह आंदोलन और तेज किया जाएगा।

## संविधान की दुहाई देने वाले संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट अराजकता फैलाना चाहते हैं : भाजपा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को आरोप लगाया कि संविधान की दुहाई देने वाले इंडिया गठबंधन के नेता देश की संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं।

प्रधान ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता मतदाता सूची को लेकर शोरशराबा करके इसमें घुसपैठियों को शामिल करवाकर उन्हें अपना वोट बैंक बनाना चाहते हैं। ये लोग सिर्फ वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी और उनका दल, इंडिया गठबंधन के लोग, विशेषकर कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी, जो आए दिन संविधान की दुहाई देते हैं। इन दिनों देश देख रहा है कि सबसे ज्यादा संविधान विरोधी काम अगर कोई कर रहा है, तो उसके सरगना भी राहुल गांधी ही हैं। प्रधान ने कहा कि कांग्रेस पहले इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर झूठ बोलती है, कभी महाराष्ट्र की बात उठाते हैं, कभी हरियाणा की बात उठाते हैं, वे हर रोज झूठ का एक नया पहाड़ बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014, 2019 और 2024 में और उनके बीच अनेक राज्यों में निरंतर पराजय के कारण कांग्रेस दिवालियेपन की स्थिति में पहुंच चुकी है। पिछले दो-तीन दिनों में जो वाद-विवाद हुआ, उस पर भारतीय मीडिया ने फैक्ट चेक करके गांधी के हर एक झूठ का प्रमाण के आधार पर बेनकाब किया है।

कांग्रेस और विपक्ष के पास केवल वोट बैंक की राजनीति ही बची है। घुसपैठियों को मतदाता बनाकर वे अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं।

## पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां हैं : संजय राउत ने अमित शाह को पत्र लिखकर किया सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के नेता संजय राउत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से संपर्क करने की ''कोशिशें असफल रहने का दावा करते हुए'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस बात का जवाब देने को कहा कि धनखड़ कहां हैं।

धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा दे दिया था।

राउत ने 10 अगश्त को शाह को लिखे अपने पत्र में कहा, ''हमारे (पूर्व) उपराष्ट्रपति के बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है। वह इस समय कहां हैं? उनका स्वास्थ्य कैसा है? इन बातों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। राज्यसभा के कुछ सदस्यों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।''

शिवसेना (उबाठा) नेता ने सोमवार को यह पत्र 'एक्स' पर साझा किया।

राउत ने कहा कि दिल्ली में ऐसी अफवाहें हैं कि धनखड़ को उनके घर में ही सीमित कर दिया गया है और कहा जा रहा है कि वह सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उनसे या उनके स्टाफ से कोई संपर्क नहीं हो पाया जो गंभीर चिंता की बात है।'' उन्होंने कहा, ''आखिर हमारे (पूर्व) उपराष्ट्रपति के साथ हुआ क्या है? वह कहां हैं? उनकी तबीयत कैसी है? क्या वह सुरक्षित हैं? देश को इन सवालों के जवाब जानने का हक है।''

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी धनखड़ के बारे में पिछले हफ्ते सवाल उठाया था। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पूर्व उपराष्ट्रपति फिलहाल कहां हैं? इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए।''

राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि उच्च सदन के उनके कुछ अन्य सहयोगी पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को लेकर सच में चिंतित हैं और वे उच्चतम न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने पर विचार कर रहे हैं।

राउत ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय का रुख करने से पहले मैंने आपसे (गृहमंत्री) यह जानकारी मांगना उचित समझा। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी भावनाओं को समझेंगे और बताएंगे कि धनखड़ कहां हैं तथा साथ ही उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सही जानकारी उपलब्ध कराएंगे।''

## लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा स्थगित करनी पड़ी सदन की कार्यवाही

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संसद में सोमवार को भी जबरदश्त हंगामा हुआ। इस हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही बाधित हुई। दोनों ही सदनों में विपक्ष ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। विपक्ष के कई सांसदों का कहना है कि वे बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन रिव्यू समेत विभिन्न विषयों तुरंत चर्चा चाहते हैं।

विपक्ष ने राज्यसभा में अन्य सभी संसदीय कार्यों को रोककर सबसे पहले इन मुद्दों पर चर्चा कराने का नोटिस दिया था। विपक्षी सांसदों के इस नोटिस को अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की। सदन में बढ़ते हंगामे को देखते हुए राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कुछ ऐसा ही हाल लोकसभा में भी रहा। लोक लोकसभा में भी सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने के कुछ देर बाद ही विपक्षी सांसद अपनी सीटों से उठकर वेल में आ गए। विपक्ष के ये सांसद चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

सदन में हो रहे हंगामे और नारेबाजी के बीच लोकसभा अध्यक्ष द्वारा बार-बार विपक्षी सांसदों से अपनी सीट पर जाकर बैठने का आग्रह किया गया। नाराज विपक्षी सांसद जब अपने स्थानों पर वापस नहीं गए तो सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं राज्यसभा में भी यही स्थिति बनी रही। राज्यसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने के कुछ देर बाद उपसभापति हरिवंश नारायण ने बताया कि उन्हें आज यानी सोमवार को चर्चा के लिए नियम 267 के अंतर्गत 29 नोटिस मिले हैं।

नियम 267 के अंतर्गत सदन की शेष सभी कार्यवाही को स्थगित करके संबंधित विषय पर चर्चा कराई जाती है। इस नियम के अंतर्गत कराई जाने वाली चर्चा के उपरांत वोटिंग का भी प्रावधान होता है। उप सभापति ने बताया कि उन्हें पाँच अलग-अलग विषयों पर चर्चा के नोटिस प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही उप सभापति ने कहा कि 11 विपक्षी सांसदों द्वारा दिए गए नोटिस में नियमों का अनुपालन नहीं किया गया है। वहीं बचे हुए 18 नोटिसों में से कई नोटिस ऐसे मामलों को लेकर थे जिनकी सुनवाई अदालत में चल रही है।

उप सभापति ने कहा कि अदालत में लंबित मामलों पर सदन में चर्चा करने पर पाबंदियां है, जिससे इस सदन के सदस्य भलीभांति परिचित हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह नियम 267 के अंतर्गत मिले सभी नोटिसों को अस्वीकृत करते हैं। इसके उपरांत विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। कुछ सांसद अपना विरोध जताने के लिए सदन में बैच पहनकर भी आए थे। उप सभापति ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में कुछ सांसद बैच पहनकर आए हैं और सदन में ऐसा करना की अनुमति नहीं हैं। हालांकि इस सबके बावजूद भी विपक्षी सांसदों का विरोध जारी रहा। सदन में लगातार नारेबाजी और हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

## पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ दी परमाणु धमकी दी

✷ वेबवार्ता. वाशिंगटन ✷

पाकिश्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी धरती पर दिए गए एक भाषण में भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते हुए चेतावनी दी है कि अशितत्व का खतरा पैदा होने पर पाकिश्तान 'आधी दुनिया को तबाह कर देगा' ।

फ्लोरिडा के टैम्पा में व्यवसायी और मानद वाणिज्य दूत अदनान असद द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में बोलते हुए सेना प्रमुख ने कहा, "हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम बर्बाद हो रहे हैं तो हम आधी दुनिया को बर्बाद कर देंगे।'

रिपोर्टों के अनुसार अमेरिकी धरती से किसी तीसरे देश के खिलाफ परमाणु युद्ध के लिये दी गई उनकी यह पहली परमाणु धमकी हैं। फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमान परिवर्तन समारोह में भाग लेने के लिए टाम्पा में हैं। दो महीने से भी कम समय में यह उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा है जो अमेरिका-पाकिश्तान के बीच नए सैन्य संबंधों का संकेत है।

इससे क्षेत्र में अमेरिकी मंशा को लेकर भारत में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच और महत्वपूर्ण हो जाता है।

फील्ड मार्शल मुनीर ने सिंधु नदी के चैनलों पर भारत द्वारा बनाए जाने वाले किसी भी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की भी धमकी भी दी।

## चुनाव आयोग और 476 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों का पंजीकरण कर सकता है रद्द

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए उठाये जा रहे कदमों के तहत दूसरे चरण में ऐसे और 476 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीति दलों (आरयूपीपी) का पंजीकरण समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की है जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

आयोग ने पहले चरण में ऐसे 334 दलों का पंजीकरण निरश्त किया है। इस कदम के बाद आरयूपीपी की सूची में पार्टियों की संख्या 2854 से घट कर 2520 रह गयी है।

आयोग ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा, "दूसरे चरण में विभिन्न राज्यों के 476 आरयूपीपी की पहचान की गयी है।" ऐसे किसी दल के साथ कोई अनुचित निर्णय न हो, इसके लिए आयोग ने संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को इन दलों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं। इन दलों को सीईओ को सुनवायी में अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा।

सीईओ की सिफारिश पर दलों के पंजीकरण समाप्त करने का फैसला आयोग लेगा। देश में राष्ट्रीय, राज्य श्तरीय और गैर-मान्यता प्राप्त (आरयूपीपी) श्रेणी में राजनीतिक दलों का पंजीकरण जन प्रनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के तहत किया जाता है।

उन्होंने चुनाव चिह्न और कर में छुट जैसे विशेष लाभ मिलते हैं। नियमानुसार यदि कोई दल छह साल तक चुनाव न लड़े तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटाया जा सकता है। पार्टियों को चुनाव आयोग के समक्ष नियमित विवरण भी प्रश्तुत करने होते है।

आयोग की ओर से दूसरे चरण में छंटनी के लिए जिन 476 दलों की पहचान की गयी है उनमें सबसे अधिक 121 दल उत्तर प्रदेश, 44 महाराष्ट्र, 42 तमिलनाडु और 41 दिल्ली के हैं

## सुप्रीम कोर्ट ने सेना में जज एडवोकेट जनरल पद पर पुरुषों का आरक्षण रद्द

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना में जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) के

छह पद पुरुषों के लिए आरक्षित करने के प्रश्ताव को रद्द करते हुए सोमवार को कहा कि सभी अभ्यर्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची तैयार की जाए। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने अर्शनूर कौर की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने पुरुषों के लिए छह और महिलाओं के लिए तीन पद आरक्षित करने के प्रश्ताव को मनमाना करार देते हुए कहा, "कार्यपालिका पुरुषों के लिए यह पद आरक्षित नहीं कर सकती। भर्ती की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।" अदालत ने आगे कहा, "लैंगिक तटस्थता और 2023 के नियमों का सही अर्थ यह है कि सरकार सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन करेगी। महिलाओं के लिए संबंधित पद को सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।" शीर्ष अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी अभ्यार्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची प्रकाशित करे, जिसमें पुरुष और महिला बिना किसी भेद भाव के शामिल किए जाएं।

## सहायक सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में मॉक ड्रिल किया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

रेलवे स्टेशन अलीगढ़ जंक्शन पर सहायक सुरक्षा आयुक्त गुलजार सिंह के दिशा निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट हाथरस अतरिक्त प्रभार अलीगढ़ व निरीक्षक जीआरपी अलीगढ़ की मौजूदगी में गाड़ी संख्या 54352 के ठहराव के समय प्लेट फार्म नं0 2 पर आरपीएफ जवानों द्वारा ट्रेन दुर्घटना के उपरांत घायल व्यक्ति के आने की सूचना पर चिकित्सीय सहायता के लिए घायल व्यक्ति को पीएफ एरिया से एम्बुलेंस तक ले जाने का मॉक ड्रिल किया गया है.मॉक ड्रिल के दौरान सहायक सुरक्षा आयुक्त अलीगढ़ द्वारा आपातकालीन सेवाओं की तैयारी को देखा एवं आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्रक्रियाओं से अवगत कराया एवं सुधार के क्षेत्रों की पहचान कर सुधार हेतु दिशा निर्देश भी दिए गए।

## पुलिस ने एक शातिर चोर किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस द्वारा एक शातिर चोर समीर पुत्र आसिफ उर्फ भुट्टन निवासी निशांत बाग गौचारा थाना क्वार्सी अलीगढ़ को चोरी किये दो मोबाइल फोन सैमसंग स्क्रीनटच व चोरी की एक मोटरसाईकिल हीरो स्पलेण्डर प्लस के साथ चामुण्डा मंदिर से अलीनगर को जाने वाले कच्चे राश्ते से गिरफ्तार किया।

## तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना खैर पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त सोनू सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी होली वाला मौहल्ला जट्टारी थाना टप्पल अलीगढ़ को एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ अहरोला गाँव के राश्ते पर शिवाला नहर से करीब 500 मीटर पहले नहर की पटरी की साईड से गिरफ्तार किया।

## पुलिस ने दो शातिर चोर किये गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम द्वारा आपरेशन प्रहार के तहत मोटर साईकिल पर मोबाइल छिनैती व चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्त पंकज उर्फ गौरव पुत्र पप्पू उर्फ देवराज निवासी टीवीएस शौरुम के पीछे काशीराम आवास कालोनी सारसौल थाना बन्नादेवी अलीगढ हाल पता एडीए कालौनी पुलिस चौकी सासीगेट थाना सासनीगेट अलीगढ व सागर उर्फ चौटा पुत्र प्रमोद कुमार निवासी टीवीएस शोरूम के पीछे सारसौल थाना बन्नादेवी अलीगढ को 05 चोरी के मोबाइल व 800 रूपये (मोबाईल चोरी विक्रेय) व घटना मे प्रयुक्त मोटर साईकिल पेशन प्रो सहित नुमाइश ग्राउण्ड से गिरफ्तार किया।

## तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना दादों पुलिस टीम द्वारा एक शातिर अभियुक्त पुष्पेन्द्र पुत्र नीरज निवासी इखौना थाना ढोलना जनपद कासगंज को नगला तैलिया वाले राश्ते से मय एक तमंचा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया।

## देशभक्ति के रंग में रंगा 'माँ तुझे प्रणाम' बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने जीता दिल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

कम्पोजिट विद्यालय बिनूपुर के तत्वावधान में खंड शिक्षा अधिकारी लोधा राम शंकर कुरील की देखरेख में देशभक्ति के रंग में रंगा 'माँ तुझे प्रणाम' बच्चों की सांस्कृतिक प्रश्तुति ने दिल जीत लिया।

माँ तुझे प्रणाम कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति से ओतप्रोत छात्र-छात्राओं ने अपनी सांस्कृतिक प्रश्तुति दी तथा राष्ट्रीय ध्वज हाथों में दिखाकर एकता का परिचय देते हुए माँ तुझे प्रणाम कार्यक्रम को जीवन्तता प्रदान की। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक महेश चन्द्र, ब्लॉक संसाधन केंद्र लोधा, यू-डाइस पटल सहायक राहुल पचौरी, सुनील कुमार चौहान, निवेदिता वार्ष्णेय, रश्मि चौधरी, सुरेंद्र पाल सिंह उपस्थित रहे।

# साहिबाबाद मंडी में दिन दहाड़े फायरिंग, एक मजदूर घायल

### बैठक के दौरान दो लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर का नाम लेकर आए लोगों ने चलाई गोली, जमकर चली कुर्सियां

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली सीमा से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शहर के लिंकरोड थाना की साहिबाबाद नवीन फल एवं सब्जी मंडी में सोमवार की सुबह दो पक्षों में हुए विवाद के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना ने एक मजदूर पल्लेदार की जांघ में गोली लगने से घायल हो गया।

घटना के बाद मंडी परिसर में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना में एक पल्लेदार जांघ में गोली लगने से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शीयों का आरोप है कि मंडी में फायरिंग करने वाले लोग स्वयं को लोनी के भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर का करीबी बता रहे थे।

घायल को जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, यहां से उसे निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। अस्पताल में पीड़ित की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। बैठक के दौरान कांग्रेस नेता बिजेंद्र यादव द्वारा आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए भाषण देने से दोनों पक्षों में विवाद हुआ था और मारपीट हो गई थी।

मामले में एक आढ़ती भारत भाटी ने हरीश चौधरी, उसके बेटे, दो भतीजों समेत 25 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। फायरिंग समेत अन्य वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं।

सोमवार सुबह साहिबाबाद मंडी में मंडी के प्रधान ज्ञानचंद यादव ने आढ़ती व फुटकर व्यापारियों की मासिक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में कांग्रेस एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। लोनी चिरौड़ी का रहने वाला हरीश चौधरी भी बैठक में था।

एक प्रसारित वीडियो के अनुसार बिजेंद्र यादव ने भाषण के दौरान मंडी सचिव व व्यापारियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। इस पर बैठक में मौजूद हरीश चौधरी और दूसरे पक्ष में विवाद हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से लोग आपस में भिड़ गए और जमकर कुर्सियां एक दूसरे पर फेंकी गई। इस दौरान हरीश चौधरी ने रिवाल्वर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

करीब छह राउंड फायर किए गए। इस घटना में मंडी में काम करने वाले एक पल्लेदार (माल उठाने वाले) बिहार समस्तीपुर के सचिन कुमार पुत्र भुट्टू यादव की जांघ में गोली लग गई और वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग से पूरे मंडी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और भगदड़ मच गई।

आरोपित मौके से कारों में सवार होकर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में किया और सचिन को जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को मौके से कारतूस के तीन खोखे बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान भी कई लोग घायल हुए लेकिन उनका पता नहीं चल सका है।

मामले में मंडी में आढ़त लगाने वाले भारत भाटी ने हरीश चौधरी, उसके बेटे, दो भतीजों समेत 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। भारत भाटी का आरोप है कि सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे उनके पास हरीश चौधरी की वाट्सएप काल आई और उसने धमकी देते हुए मासिक बैठक नहीं होने देने की बात कही।

इसके बाद करीब 11.40 बजे हरीश चौधरी अपने साथियों के साथ बैठक में पहुंचा और बैठक वाले स्थान को मंडी सचिव द्वारा अपने पक्ष में आवंटित करने करने की बात कहते हुए रिवाल्वर निकाल ली। भारत भाटी का कहना है कि आरोपित ने उन्हें मारने की बात कहते हुए उनपर रिवाल्वर तानकर फायरिंग की लेकिन यह गोली सचिन को जा लगी।

आरोप है कि आरोपितों ने लाठी-डंडों से भी मारपीट की और इसमें कई लोग घायल हुए। सूचना के बाद मौके पर एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी ट्रांस हिंडन डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि मामले में हरीश चौधरी, उसके बेटे करण चौधरी, अर्जुन चौधरी, राज चौधरी, अभय बैंसला, अनुराग चौधरी, प्रशांत नागर व प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। हरीश ने पूछताछ में बताया कि वर्चस्व बनाने को लेकर उसका विवाद हो गया था, जिसके बाद उसने फायरिंग की।

**पुलिस सुस्ती से हुई फायरिंग की वारदात**

साहिबाबाद मंडी में हुई फायरिंग की घटना में लिंकरोड पुलिस की घोर लापरवाही सामने आई है। यदि पुलिस मुश्तैद रहती तो फायरिंग की यह घटना नहीं होती। दरअसल मंडी में प्लेटफार्म को लेकर दो पक्षों में विवाद चला आ रहा है। दोनों पक्ष प्लेटफार्म अपना होने का दावा करते हैं।

रविवार शाम भी मंडी में हरीश चौधरी के बेटे करण चौधरी व भारत भाटी पक्ष के बीच प्लेटफार्म को लेकर विवाद हुआ था।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और विवाद को सुलझाया था। दोनों पक्षों में सहमति बनी थी कि सोमवार को मासिक बैठक के दौरान बात को रखा जाएगा। इसकी बैठक की जानकारी पुलिस को थी लेकिन पुलिस सोमवार को बैठक के दौरान मंडी परिसर में नहीं पहुंची और यह वारदात हो गई। यदि पुलिस मौके पर रहती तो फायरिंग की यह वारदात नहीं हो पाती।

भागते हुए हरीश चौधरी पर लोगों ने किया पथराव, कार तोड़ीः फायरिंग के बाद मंडी परिसर में व्यापारी आक्रोशित हो गए और उन्होंने हरीश चौधरी पर पथराव कर दिया। हरीश चौधरी व उसके पक्ष के लोग भागते हुए कारों में सवार हुए और फरार हो गए। इस दौरान उनकी कारों में भी लोगों ने तोड़फोड़ की।

लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने एक वीडियो बयान जारी करते हुए कहा कि मंडी में हुई घटना के दौरान कुछ लोग लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के साथ बदसलूकी की बात कर रहे हैं। विधायक का कहना है कि घटना के समय वह लखनऊ विधानसभा सत्र में मौजूद थे।

उनका आरोप है कि एक विशेष समुदाय के लोग मंडी में अवैध कब्जा जमाए बैठे हुए हैं और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। विधायक का कहना है कि हरीश चौधरी ने अपनी जान बचाने के लिए पिस्टल छीनी और हवाई फायरिंग करते हुए अपनी जान बचाई। उनका आरोप है कि मंडी में सपा से जुड़े एजेंट व रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिम हिंदुओं को मंडी में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं।

**अपने को भाजपा से जुड़ा बताता है हरीश**

हरीश चौधरी अपने को भाजपा से जुड़ा हुआ बताता है और उसके कई फोटो लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के साथ के भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए हैं।

एक जारी वीडियो में भी हरीश ने अपनी सफाई दी है। हरीश का कहना है कि बिजेंद्र यादव ने उसे मारने के लिए पिस्टल निकाली थी। अपनी जान बचाने के लिए उसने बिजेंद्र यादव के हाथ से पिस्टल छीनी और बचाव में हवाई फायरिंग की।

हरीश का कहना है कि पल्लेदार उनकी गोली नहीं बल्कि दूसरे पक्ष की गोली लगने से घायल हुआ है। मामले में हरीश ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

**मंडी उपनिदेशक ने किया मंडी का दौरा**

घटना के बाद सोमवार शाम मेरठ से मंडी के उपनिदेशक राजीव राय मंडी में पहुंचे। उनके साथ एडीएम सिटी विकास कश्यप भी मौजूद थे।

दोनों अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक आढ़तियों की बात सुनी। इस दौरान मंडी सचिव पर नियमों को ताक पर रख किसानों के चबूतरे पर गलत तरीके से कब्जा देने का आरोप लगाया गया। लोगों ने दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि कब्जे को रद्द किया जाए और मंडी सचिव का तबादला हो। ऐसा नहीं हुआ तो दो दिन बाद मंडी नहीं खोली जाएगी।

## हिमाचल में उद्योग विभाग की वेबसाइट हैक, इसे सीएम रिलीफ फंड का फर्जी वेब पेज बना दिया

**शिमला, एजेंसी।** साइबर ठगों ने हिमाचल प्रदेश के उद्योग विभाग की आधिकारिक वेबसाइट को हैक कर लिया। इसे सीएम रिलीफ फंड के नाम पर फर्जी वेब पेज बनाकर धोखाधड़ी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला उद्योग विभाग के अतिरिक्त निदेशक तिलक राज शर्मा की शिकायत पर दर्ज हुआ है। वह वर्ष 2021 से उद्योग विभाग शिमला में पदस्थ हैं। तिलक राज शर्मा द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार विभाग की वेबसाइट शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश स्टेट डेटा सेंटर, मैहली में होस्ट की गई है। 28 जुलाई को विभाग में तैनात एक कर्मचारी ने उन्हें बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने वेबसाइट पर सीएम रिलीफ फंड के नाम से एक वेब पेज बनाकर अपना बैंक खाता और क्यूआर कोड डाल रखा है।

शिकायत में बताया गया कि वेबसाइट पर कोई भी पेज डालने की अनुमति केवल मैहली स्थित डेटा सेंटर टीम को है। डेटा सेंटर टीम ने पुष्टि की है कि 26 जुलाई को यह फर्जी वेबपेज अपलोड किया गया था। सुरक्षा कारणों से 28 जुलाई को वेबसाइट बंद कर दी गई और जरूरी दिशा-निर्देशों के बाद 29 जुलाई को दोबारा शुरू की गई।

जांच के दौरान 29 जुलाई को विभाग की एक कर्मचारी ने अपने निजी एचडीएफसी खाते से परीक्षण स्वरूप एक रुपये का लेन-देन किया। यह लेन-देन एक अज्ञात व्यक्ति की यूपीआई आईडी से जुड़ी मिली। शिकायत में बताया गया है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि 26 से 28 जुलाई के बीच कितनी राशि आम जनता ने इस फर्जी खाते में जमा की है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति ने सरकारी वेबसाइट को हैक कर अपने बैंक खाते का क्यूआर कोड डालकर न केवल जनता से ठगी की, बल्कि विभाग और सरकार की छवि खराब करने की कोशिश की। छोटा शिमला पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएसएस, धारा 318(4) बीएनएस तथा आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। शिमला पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ठगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तकनीकी जांच जारी है।

## मूल निवासियों के हथियार लाइसेंसों के साथ-साथ भूमि अधिकार भी सुरक्षित किए जाने चाहिएः हिमंत सरमा

**दिसपुर, एजेंसी।** असम सरकार द्वारा मूल निवासियों को हथियार लाइसेंस देने की योजना पर सीएम हिमंत पर लगातार सवाल उठाए जा रहे है। इस आलोचना के बीच रविवार को अपने फैसले का बचाव करते हुए सीएम हिमंत ने कहा कि मूल निवासियों के हथियार लाइसेंसों के साथ-साथ भूमि अधिकार भी सुरक्षित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी ऐसी ही हथियार नहीं दे दिए जाएंगे, इसे पूरी प्रक्रिया के तहत और उचित जांच के बाद ही किया जाएगा।

असम के बक्सा में एक कार्यक्रम के दौरान जब उनसे हथियार नीति को लेकर हो रही आलोचना के बारे में पूछा गया तो हिमंत ने इसका अपने अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, बंदूकें जरूरी हैं। अगर आपके पास बंदूक नहीं है, तो आप दक्षिण सलमान-मनकाचर और बागबार में कैसे रहेंगे? अगर आप वहां जाएंगे तो आपको खुद ही समझ आ जाएगा।

हिमंत ने दावा किया कि एक सत्र (वैष्णव शिक्षा का केंद्र) में 100 मूल निवासी रह रहे हैं। उनके आस पास 20 से 25 हजार लोग रहते हैं, तो उन 100 लोगों को किसी चीज की आवश्यकता तो पड़ेगी ही।हालांकि सरमा ने कानून के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कह, बंदूकें जरूरी हैं, जमीन जरूरी है, अधिकार जरूरी हैं, लेकिन यह

सब केवल और केवल कानून के दायरे में होना चाहिए... कानून के बाहर नहीं।

गौरतलब है कि असम राज्य मंत्रिमंडल ने 28 मई को फैसला किया था कि असुरक्षित और दूर दराज इलाकों में रहने वाले मूल निवासियों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए उन्हें लाइसेंसी हथियार दिए जाएंगे। इस योजना के तहत सरमा सरकार ने धुबरी, मोरीगांव, बारपेटा, नागांव, दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों और इसके अलावा रुपाही, ढिंग और जोनिया जैसे इलाकों को असुरक्षित और दूर दराज के इलाकों में चिह्नित किया था। इन सभी इलाकों में बंगाली मुसलमान अधिक संख्या में रहते हैं।

## 10 दिन के भीतर जमा करें शपथपत्र, कर्नाटक के बाद हरियाणा के निर्वाचन अधिकारी का राहुल गांधी को पत्र

**चंडीगढ़, एजेंसी।** हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी को रिमाइंडर लेटर जारी किया है। यह पत्र 7 अगस्त को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनकी ओर से मतदाता सूची में गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर है। 9 अगस्त को भेजे गए पिछले पत्र का हवाला देते हुए इसमें कहा गया, राहुल गांधी से संबंधित मतदाताओं का विवरण देने की अपील है। साथ ही, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम,1960 के नियम 20(3)(ब) के तहत हस्ताक्षरित शपथपत्र जमा करना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी से कहा कि वे 10 दिनों के भीतर साइन किया हुआ शपथपत्र जमा करें, ताकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू की जा सके। मालूम हो कि कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भी आज राहुल गांधी को नोटिस जारी किया। इसमें उनसे वे दस्तावेज साझा करने को कहा गया, जिनके आधार पर उन्होंने आरोप लगाया था कि एक महिला ने दो बार मतदान किया।

### शपथपत्र पर साइन करें या माफी मांगें

लोकसभा में विपक्ष के नेता को नोटिस जारी किए जाने के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने एक बार फिर उनसे गुहार लगाई। ईसी ने कहा कि या तो वे कर्नाटक, हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी के अपने आरोपों को साबित करने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर बेतुके आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें। राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने गांधी से कहा कि ये दस्तावेज उनके कार्यालय को विस्तृत जांच करने में मदद करेंगे। राहुल गांधी ने पिछले वीकेंड पर संवाददाता सम्मेलन में ये दस्तावेज दिखाए थे। इसके आधार पर उन्होंने वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी का दावा किया था और चुनाव आयोग से इसकी निष्पक्ष जांच करने की मांग रखी थी।

## राजस्थान में 123 शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज, गहलोत सरकार में हासिल की थी नौकरी

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान पुलिस के एसओजी ने 123 शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। इन्हें पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली अशोक गहलोत सरकार के दौरान नियुक्त किया गया था। आरोप है कि उन्होंने फर्जी तरीके से नौकरी हासिल की थी। उन्होंने कथित तौर पर भर्ती प्रक्रिया के दौरान फर्जी लोगों का इस्तेमाल किया, जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए तथा अन्य प्रकार के कदाचार में लिप्त रहे।

रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान पुलिस के एसओजी ने रविवार को उन 123 शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज किए, जिन्होंने 2018 और 2022 में आयोजित आरईईटी परीक्षा में अनुचित साधनों के माध्यम से नौकरी हासिल की। शिक्षा विभाग ने आंतरिक समीक्षा में उनके चयन में अनियमितताओं की चिंता जताते हुए एसओजी को इनकी सूची सौंपी थी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर भर्ती प्रक्रिया के दौरान फर्जी लोगों का इस्तेमाल किया, जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए तथा अन्य प्रकार के कदाचार में संलिप्त रहे।

जांच के घेरे में आए शिक्षकों में से अधिकांश कथित तौर पर 95 प्रतिशत से ज्यादा जालोर जिले के हैं। जालोर पहले भी पेपर लीक मामलों से जुड़ा रहा है। गहलोत सरकार के कार्यकाल में, 2018 और फिर 2021 में आरईईटी परीक्षाएं आयोजित की गई। पेपर लीक के व्यापक आरोपों के बाद 2021 की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। 2022 में एक नई परीक्षा आयोजित की गई, जो अब भी जांच के दायरे में है।

इन शिक्षकों पर आईपीसी की धारा 419 (प्रतिरूपण द्वारा धोखाधड़ी), 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग करना), 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र) के साथ ही राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के उपाय) अधिनियम, 2022 की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

## शिमला पुलिस ने 24 घंटे में बरामद किए तीनों लापता छात्र, फिरौती के लिए हुआ था अपहरण; एक गिरफ्तार

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में प्रतिष्ठित बिशप कॉटन स्कूल के तीन नाबालिग छात्रों के लापता होने की गुत्थी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा ली। शिमला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों बच्चों को कोटखाई इलाके के एक घर से सुरक्षित बरामद कर लिया है। प्रथम दृष्टया मामला किडनैपिंग का सामने आया है। इस सिलसिले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार लिया है। पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है। लापता छात्रों की पहचान 11 साल के अंगद , हितेंद्र और विदांश के रूप में हुई है। तीनों छठी कक्षा में पढ़ते हैं। ये हिमाचल, पंजाब और हरियाणा के रहने वाले हैं। शनिवार दोपहर 12 बजकर 9 मिनट पर तीनों छात्र आउट-पास लेकर स्कूल से बाहर निकले थे। उन्हें शाम 5 बजे

तक लौटना था, लेकिन समय बीतने के बाद भी वे हॉस्टल नहीं पहुंचे। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत न्यू शिमला थाना पुलिस को सूचना दी और मामला दर्ज हुआ।

पुलिस के लिए तीनों को खोजना आसान नहीं था। उनके पास मोबाइल फोन नहीं था, जिससे लोकेशन ट्रेस करना संभव नहीं था। जांच के दौरान पुलिस को बीसीएस स्कूल परिसर के आसपास एक संदिग्ध कार दिखाई दी। कार की लोकेशन ट्रैक करने पर पता चला कि वह शिमला जिला के ऊपरी इलाके कोटखाई पहुंची है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आज कोटखाई के एक घर में दबिश दी, जहां से तीनों बच्चे सुरक्षित बरामद कर लिए गए। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया और संदिग्ध कार को कब्जे में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चों को लापता होने से पहले इसी कार में ले जाया गया था।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर पूरे मामले की तह तक जाने का प्रयास कर रही है। इस मामले को फिरौती के एंगल से भी जोड़ा जा रहा है, क्योंकि तीनों बच्चे सम्पन्न और प्रभावशाली परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। पंजाब व हरियाणा के रहने वाले दो बच्चे राजनेता के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। हिमाचल प्रदेश के डीजीपी अशोक तिवारी ने इस सफलता के लिए एसएसपी शिमला और पूरी पुलिस टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता हिमाचल प्रदेश पुलिस के पेशेवरपन और टीम वर्क का प्रमाण है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा होने की संभावना है।

## ढाई महीने से अंधेरे में डूबा छत्तीसगढ़ का तमरूवा गांव, ग्रामीणों का भजन-कीर्तन संग कलेक्टर बंगले पर धरना

**कबीरधाम/रायपुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थित तमरूवा गांव में बीते ढाई महीने से बिजली आपूर्ति ठप पड़ी है। इसके चलते ग्रामीण भीषण गर्मी के साथ ही अंधेरे और संकट के दौर से गुजर रहे हैं। बिजली विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने आज कलेक्टर के बंगले पर पहुंचकर भजन-कीर्तन के साथ धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों ने बताया कि तीनों ट्रांसफार्मर खराब होने के बावजूद बिजली विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन खेत सूखने लगे हैं, फसलें बर्बाद हो रही हैं और पेयजल संकट भी गहराता जा रहा है। समस्या का समाधान नहीं होने के चलते सैकड़ों ग्रामीण कांग्रेसी नेताओं के साथ रविवार को कलेक्टर बंगले पहुंचे और वहीं बैठकर राम नाम का भजन गाते हुए शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक गांव में खराब पड़े बिजली के तीनों ट्रांसफार्मर बदले नहीं जाते, वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे।

## वृद्ध पर कुत्तों के झुंड ने किया हमला घायल

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। ग्राम मेघपुर निवासी 70 वर्षीय मोहम्मद फरीद पुत्र मुख्तार अहमद सोमवार तड़के फजर की नमाज अदा कर घर लौट रहे थे। राश्ते में अचानक कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके पैरों को बुरी तरह नोच डाला गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्तों को भगाया। आनन-फानन में फरीद को अफजलगढ़ सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित के परिवार ने उपजिलाधिकारी से आवारा कुत्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अभियान चलाकर उनकी संख्या कम करने की मांग की है। उनका कहना है कि कुत्तों को खाना खिलाने की बजाय, उन्हें पकड़ने पर ध्यान दिया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। वही जब इस मामले में उप जिला अधिकारी से संपर्क करना चाहा तो संपर्क नहीं हो पाया।

## तहसीलदार व भाजपा जिलाध्यक्ष ने ग्रामीणों को राहत सामग्री बांटी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गांगन नदी के किनारे बसे बाढ़ग्रश्त गांवों में पहुंचकर तहसीलदार व भाजपा जिला अध्यक्ष ने ग्रामीणों को राहत सामग्री वितरित की। धामपुर जानकारी के अनुसार एसडीएम धामपुर रितु रानी ने बाढ़ग्रश्त इलाकों का दौरा किया था। इसके बाद गांव सिजोली के गुरुद्वारे में बीजेपी जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी, तहसीलदार धनराज सिंह नायब तहसीलदार राजकमल द्वारा ग्राम सिजोला, सिजोली, अकबरपुर, हरगनपुर के बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह, सुरेंद्र यादव लेखपाल प्रदीप तालियान, विपिन कुमार आदि मौजूद रहे। रविवार को गांव सहानपुर नवादा और अखेड़ा में पहुंच कर बाढ़ग्रश्त परिवारों को राशन किट वितरित की गई। इस मौके पर कानूनगो ओमवीर सिंह सुरेंद्र सिंह लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, चंद्रभान सिंह, प्रदीप तालियान, गगनदीप आदि मौजूद रहे।

## केलनपुर इंटर कॉलेज में 10 मीटर राइफल पिस्टल, शूटिंग प्रतियोगिता आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। लोकप्रिय इंटर कॉलेज केलनपुर में 69 वी मंडलीय 10 मीटर राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। शूटिंग खेल के अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने कहा कि खेल खेल की भावना की तरह खेलना चाहिए। पढ़ाई के साथ साथ खेल खेलना भी जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों को सलाह दी की जो खिलाड़ी खेल खेलता है। उसे नशे से दूर रहना चाहिए किसी प्रकार का नशा करना भी शरीर के लिए हानिकारक है। जो खिलाड़ी नशा करेगा वो खेल नहीं खेल सकता। क्योंकि नशा और खेल आपस में दुश्मन है। उन्होंने कहा कि खेल खेल के स्पोर्ट्स कोटे से क्षेत्र के काफी बच्चे सरकारी व प्राइवेट अच्छी नौकरियों में आज अपना जीवन निर्वाह कर रहे हैं। उन्होंने लोकप्रिय इंटर कॉलेज के प्रबंधक हरवीर सिंह को बधाई दी आशा की कि हर वर्ष की भांति आगे को भी ऐसे खेल का आयोजन कराते रहे।

## किसान यूनियन का धरना, खराब सड़क के विरोध में PWD कार्यालय पर घेराव अनशन की चेतावनी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ताओं ने लोक निर्माण विभाग कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने चांदपुर से बास्टा मार्ग सहित क्षेत्र की अन्य सड़कों की खश्ता हालत का मुद्दा उठाया। संगठन के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के समीक्षा संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुर्जर ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौपा। गंगा तट के निकट होने के कारण वर्षा में जलभराव से सड़कों पर गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। प्रदर्शनकारियों ने PWD के अधिशासी अभियंता पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे कार्यालय के बाहर आमरण अनशन करेंगे। प्रदर्शन में सुरेश चंद, रामपाल सिंह, सचिन चौहान, विनोद कुमार, सुनील कुमार, अशोक कुमार, लोकेंद्र सिंह, राम कुमार चौधरी, नंदराम सिंह और संदीप उपाध्याय समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

## आजाद समाज पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान, लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता ली

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

नगर के मोहल्ला इस्लाम नगर गड्ढा कॉलोनी में अपनों के बीच आजाद समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता , चांदपुर विधानसभा प्रभारी, हरदिल अजीज युवाओं के हृदय सम्राट मोहम्मद ताहिर ने पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों के समबन्ध में एक शानदार कार्यक्रम आयोजित कर आम जनमानस को अवगत कराया।

इस मौके पर विधानसभा चांदपुर प्रभारी मोहम्मद ताहिर ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के संघर्ष और जनकल्याणकारी नीतियों के साथ, लोकसभा क्षेत्र के समाज की आवाज को लोकसभा में बुलंद करने वाला निर्भीक और निडर नेता बताया। उन्होंने मान्य सांसद आजाद के संबंध में मौजूद जनसंमूह को बताते हुए कहा कि आजाद समाज पार्टी में आम जनमानस को जोड़ने तथा लोकप्रिय सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के हाथों को मजबूत बनाने का काम आप सब और हमारे कंधों पर है।

उन्होंने मौजूद लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने और चंद्रशेखर आजाद के हाथों को मजबूत करने का आवाहन लोगों से किया। इस मौके पर नगर के सैकड़ो लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर तन मन धन से सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के हाथों को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में चांद मियां, नसीमुद्दीन, रईस अहमद, जाकिर हुसैन, सतीश कुमार कल्लू भाई, सहित आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विचार रखें।

लोगों से आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने के लिए चंद्रशेखर आजाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नगीना के हाथों को मजबूत करने का आह्वान किया। सभी ने अपने संबोधन में गरीबों, दलितों एवं शोषित वर्ग के लोगों का हित आजाद समाज पार्टी की नीतियों में ही समाहित होने का दावा किया। कार्यक्रम की शानदार सफलता से चांदपुर विधानसभा क्षेत्र प्रभारी मोहम्मद ताहिर गदगद नजर आए।

# प्रसाद चढ़ाकर लौट रहे युवक की कार पानी में बही

### कार सवार युवक को निकाला सकुशल बाहर

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

बढ़पुर में आज उस वक्त अपना तफरी मच गई जब एक युवक निजी कार से एक प्रसिद्ध मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने के लिए आया हुआ था। रविवार रात्रि में उसने वही विश्राम किया और सुबह-सुबह प्रसाद चढ़ा करके घर वापस हो रहा था। तभी नदी को पार करते हुए उसकी गाड़ी पानी के बहाव में बहने लगी।

जनपद बिजनौर में चारों तरफ बाढ़ आई हुई है और प्रशासन ने कई राश्तों पर नाकाबंदी कर रखी है। रविवार को एक श्रद्धालु परिवार निजी गाड़ी UK09A5870 से पूजा अर्चना करने के लिए रविवार रात्रि बाबा कलुआ वीर के मंदिर पर पहुंचा यह मंदिर देशभर में प्रसिद्ध माना जाता है।

युवक ने रात्रि में मंदिर में ही विश्राम किया। सोमवार की सुबह पूजा अर्चना व प्रसाद चढ़ाने के बाद युवक कपिल कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम कश्मीरी थाना कस्बा नहटौर, जब वह अपने घर वापस जाने लगा मंदिर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर गुला नदी का रफ्टा था।

जहां पर रपटे के पानी के तेज बहाव का युवक को अंदाजा नहीं हो पाया और उसने अपनी कर पानी में डाल दी देखते ही देखते कार कागज की नाव की तरह पानी में बहने लगी और कार के कई पलटे खाने के बाद युवक कार का शीशा तोड़कर बाहर निकला आसपास खड़े कस्बे के लोगों ने युवक की जान बचाई।

लेकिन रपटे से लगभग 300 मीटर दूर तक कार बहती हुई पानी में चली गई कस्बे के तैराकों ने बड़ी बा मुश्किल से कार का पता लगाया जो कि लगभग 300 मीटर दूरी पर जाकर मिली।

सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी मृदुल कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे और कार को तलाश कराया लगभग 5 घंटे की मशक्कत के बाद कस्बे के तैराकों ने कार में रस्से बांधे और ट्रैक्टर से खींचकर निकलने का प्रयास किया लेकिन कार अधिक गहराई में होने के कारण निकल नहीं पाई।

उसके बाद नगर पंचायत बढ़ापुर की जेसीबी मशीन बुलवाई गई तब जाकर जेसीबी मशीन के द्वारा कार को निकाला गया उसके बाद पुलिस प्रशासन ने कपिल कुमार को उसकी कर सौंप दी जो की काफी जर्जर हालत में हो चुकी थी।

## गजरौला पैसेंजर ट्रेन का इंजन फेल होने से यात्रियों में मचा हड़कंप

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

गजरौला जाने वाली पैसेंजर ट्रेन का किरतपुर में इंजन फेल हो गया। जिसकी वजह से यात्री परेशान हो गए।

गर्मी के कारण बच्चे बिलबिलाते रहे। महिलाओं को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 6 बजे के लगभग किरतपुर में लाईन 2 पर ट्रेन का इंजन जाम हो गया। दो घंटे से अधिक बीतने के बाद भी इंजन की व्यवस्था नहीं हो पायी है।

रविवार की शाम छः बजे गजरौला पैसेंजर 54384 नजीबाबाद से चलकर किरतपुर पहुंची। किरतपुर में रेलवे स्टेशन पर इंजन जाम हो गया। चालक ने भरसक प्रयास किया परंतु पावर फेल होने से ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी। ट्रेन का इंजन जाम होने से यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

ट्रेन में बैठी महिलाएं और बच्चे अधिक परेशान महसूस कर रहे थे। बहुत सी सवारियां उतारकर पैदल चलकर बस के द्वारा अपने गंतव्य को पहुंची। इंजन फेल होने की सूचना पर स्थानीय पुलिस स्टेशन पर पहुंची।

थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने व्यवस्था पर पैनी नज़र रखी। वहीं स्टेशन मास्टर ने ऋषिपाल ने बताया कि इंजन का पावर फेल हो गया है। जिस कारण ट्रेन आगे नहीं बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि लक्सर से दूसरा इंजन मंगाया जा रहा है। उसके आने पर ट्रेन आगे बढ़ेगी। लगभग ढाई से 3 घंटे हो गए।

अभी व्यवस्था नहीं हो पाई है। स्टेशन मास्टर ऋषिपाल ने बताया कि अभी ट्रेन का इंजन आने में एक घंटा और लगेगा। इंजन का पावर किरतपुर रेलवे स्टेशन पर ही फेल हुआ है अन्यथा यह किरतपुर से एक दो किलोमीटर आगे होता तब यात्रियों को और बच्चों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता।

क्योंकि अंधेरा अधिक हो रहा है जिस कारण महिलाएं और बच्चे डर महसूस कर रहे हैं। सुत्रों से पता चला है कि इंजन नजीबाबाद में भी गड़बड़ कर रहा था ऐसे में ट्रेन चालक को ट्रेन आगे नहीं बढ़ानी चाहिये थी।

## 50 लाख के 251 मोबाइल फोन बरामद

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

पुलिस ने पिछले एक साल में गुमशुदा हुए 251 मोबाइल फोन बरामद कर

उनके मालिकों को वापस सौंप दिए हैं। इन मोबाइल फोनों कभी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है।

शुक्रवार को जिले के एसपी अभिषेक झा ने पुलिस लाइन में आयोजित एक कार्यक्रम में सभी मोबाइल स्वामियों को उनके फोन लौटाए। अपने खोए हुए मोबाइल को वापस पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे।

बिजनौर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुमशुदा हुए इन मोबाइल फोनों को सर्विलांस टीम की मदद से बरामद किया गया । इन सभी फोनों की विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी।

एसपी अभिषेक झा ने बताया कि कुछ मोबाइल फोन आंध्र प्रदेश जैसे दूर के राज्यों से भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वेलेंस और पुलिस के माध्यम से इन सभी फोनों को बरामद करके मालिकों को लौटाया गया है। मोबाइल फोन वापस पाने वाले लोगों ने बिजनौर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस पहल से पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ने की उम्मीद है।

# भाकियू महात्मा टीकैत की नहटौर ब्लॉक में मासिक मीटिंग आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

जिसमें क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन तहसील अध्यक्ष विनीत चौधरी के द्वारा खण्ड विकास अधिकारी को दिया गया।

साथ में उपस्थित रहे युवा जिला अध्यक्ष नीरज चाहल ने वार्ता करते हुए बी डी ओ साहब को अवगत कराया की ब्लॉक की ज्यादातर ग्राम पंचायत में बेसिक समस्याओं पर भी ग्राम प्रधानों के द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है खंबो पर लाइट नहीं है।

बहुत सारे नलों के हलक सूखे पड़े हैं तथा सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्थाएं फिर थवश्त पड़ी हुई है ,और बहुत सी छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर ज्ञापन में इंगित किया गया जिस पर खंड विकास अधिकारी महोदय ने एक महीने के अंदर-अंदर सभी समस्याओं के निराकरण की सहमति जताई संगठन के लोगों ने वीडियो साहब को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एक माह के अंदर इन समस्याओं पर संतोषजनक कार्य नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत आपके खिलाफ धरना लगाने को विवश होगी तथा आपके क्रिया कलापों से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया जाएगा, मीटिंग में ब्लॉक अध्यक्ष नेहटौर चौधरी नौबहार सिंह जी को पदभार सोपा गया। ब्लॉक उपाध्यक्ष शिवम कुमार निवासी मूसेपुर को मनोनीत किया, गया मीडिया प्रभारी ब्लॉक नहटौर मसरूर अहमद को बनाया गया सभा में उपस्थित , बालकरण सिंह, चौधरी गजेंद्र सिंह शहजाद मलिक कपिल चौधरी आशुतोष सुरेंद्र चौधरी शहजाद गढ़ीकपुरा ब्लॉक अध्यक्ष युवा मोनू मलिक, पुष्पेंद्र चौधरी ,सूरज ,कृष्णा, राजकुमार कपिल देव , रोहित सोनू आदि लोग रहे।

## भारी बरसात के बीच नगीना नगर में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मोटरसाइकिल द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा। यात्रा में डीजे पर भारत माता के गानों की धुन पर थिरकते हुए सैकड़ो लोगों ने हाथ में तिरंगे लेकर भारत माता की जय घोष करते हुए बिश्नोई सराय नगीना से पहाड़ी दरवाजा होते हुए थाना नगीना,जामा मस्जिद, बड़ा मंदिर, बाजार मझलेलेट, नगर पालिका,तहसील एवं कचहरी होते हुए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क नगीना पर समापन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सतीश गौतम,नेतृत्व पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजीत अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक रोहित कुमार रवि सहसंयोजक सरदार हरमीत सिंह एवं अरुण शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजलि सौरभ मित्तल यात्रा को पूर्व विधायक सतीश गौतम क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रवाना किया।

तिरंगा यात्रा में अनूप वाल्मीकि और विधायक सतीश गौतम अजीत अग्रवाल प्रमोद चौहान इंदु ठुकराल सरिता विश्नोई नीरज बिश्नोई अंजलि सौरव मित्तल पंडित सचिन शर्मा सौरभ मित्तल अरुण शर्मा लवी मित्तल सभासद बृजमोहन बली जितेंद्र राठी संजय शर्मा शिव शंकर सक्सेना प्रहलाद कुशवाहा चंद्रशेखर पाल सोहन सैनी डॉक्टर भूपेश चौहान तिलक राज मुथरेजा अतुल भारती ओम प्रकाश सैनी राजकुमार शेट्टी एडवोकेट अमित चंद रवि अश्वनी प्लंबर राजकुमार सिंह अमन कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अज्ञात चोरों ने दीवार फांदकर कमरे में रखी आलमारी से लाखो रुपए के आभूषण चोरी किये

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

अज्ञात चोरों ने बीती रात एक घर की दीवार फांदकर कमरे में रखी दो अलमारी से लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिये।

परिजनों का कहना है कि रात में परिवार घर की छत पर सोया हुआ था। सुबह उठने पर चोरी का पता चला। पीड़ित व्यक्ति ने चोरी की तहरीर पुलिस को देते हुए कार्यवाही कि मांग की है। पुलिस चोरी की घटना को संदिग्ध मान रही है।

रविवार की रात्रि मौहल्ला चमारान निवासी मुहम्मद राशिद सब्जियों की ढुलाई का काम करता है। वह रात में सब्जियों को लेकर पिकअप गाड़ी से किरतपुर से रुड़की गया था। घर पर परिवार की महिलाएं ही थीं। रात्रि में किसी समय अज्ञात चोरों पीछे से घर की दीवार फांदकर कर घर में घुस गये और उन्होंने घर में रखी अलमारी के ताले काटकर उसमें रखे लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिये। सुबह चार बजे चोरी का पता चला। पुलिस को चोरी की सूचना दी। पुलिस ने मौका मुआयना किया।

## झालू में गैस मूल्य की कालाबाजारी के आरोप, उपभोक्ताओं से वसूली तय मूल्य से अधिक रकम

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर की सम्पूर्ण भारत गैस एजेंसी पर गैस मूल्य की कालाबाजारी के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस की होम डिलीवरी सहित कीमत 866.50 रुपये तय है।, लेकिन एजेंसी (गोदाम) पर उनसे 870 रुपये वसूले जा रहे हैं।

नियमों के अनुसार गोदाम पर गैस मूल्य से होम डिलीवरी के 33 रुपये घटाकर वसूली होनी चाहिए, मगर ऐसा नहीं किया जा रहा।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि एजेंसी उपभोक्ताओं पर गैस पाइपलाइन खरीदने का दबाव डाल रही है। चाहे उनके पास पैसे हों या न हों। मना करने पर उन्हें गैस सिलेंडर देने से इंकार कर दिया जाता है।

**आरोपों के मुख्य बिंदु**:

गोदाम पर मूल्यः 870 रुपये वसूले जा रहे हैं।

होम डिलीवरी के नाम परः 890 रुपये तक वसूली।

ग्रामीण क्षेत्रों मेंः कीमत 900 रुपये तक पहुंच रही है।

**एजेंसी की प्रतिक्रिया**

जब इस विषय में गैस एजेंसी संचालिका श्रीमती बबीता से बात की गई, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और 'अपने आप को बाहर बताया फैमिली के साथ हूं मैं बाद में बात करूंगी कहकर फोन काट दिया।

यह मामला उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि उनसे तय मूल्य से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और गैस की खरीद तय मूल्य पर ही करें।

# जंगल में मिला लापता बाइक मैकेनिक का शव

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर पैजानिया ✷

हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव मलपुरा से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए बाइक मैकेनिक का शव कंकाल हालत में गांव के जंगल में पड़ा मिला।

मृतक के कपड़ों एवं मोबाइल से शिनाख्त हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि दिनांक 28 जुलाई 2026 को गांव मलपुरा निवासी रमेश सैनी का 22 वर्षीय पुत्र जितेंद्र संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया था।

परिजनों के मुताबिक जितेंद्र नहटौर थाना क्षेत्र के गांव मीमला मुश्तफाबाद में बाइक मैकेनिक की दुकान चलाता था। परिजनों ने 29 जुलाई को हल्दौर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल की लोकेशन के आधार पर गांव मलपुरा एवं पावटी के जंगलों में तीन दिनों तक युवक की तलाश में खेतों में कांबिंग की, परंतु उसका कोई पता नहीं चला।

आज रविवार को गांव मलपुरा निवासी लक्ष्मी सिंह की पत्नी अन्य महिलाओं के साथ अपने खेत में ईख का पत्ता चारे के लिए लेने गई थी, ग्रामीणों के मुताबिक जब वह ईख में पत्ता उतार रही थी तो उसकी नजर मेंढ के पास खड़े एक पेड़ के नीचे पड़े हुए नर कंकाल पर पड़ी।

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की खोपड़ी अलग पड़ी हुई थी, जबकि उसके तन पर फटे हुए कपड़े थे। महिलाओं ने गांव में सूचना दी, जिस पर ग्रामीणों व आसपास के गांव के लोगों की मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पाकर मौके पर पैजनिया चौकी प्रभारी सोहनलाल शर्मा, थाना प्रभारी राजेश कुमार बैंसला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैंसला ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मृतक जितेंद्र दो भाइयों एवं दो बहनों में छोटा था।

शनिवार को रक्षाबंधन के पर्व पर दोनों बहने रक्षाबंधन का पर्व मनाने के लिए घर आई थी, लेकिन उन्हें क्या पता था की रक्षाबंधन के अगले दिन उनका एक भाई कंकाल के रूप में ईख के खेत में मिलेगा।

मृतक की मां राजो देवी, पिता रमेश सैनी एवं बहनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने इस मामले का जल्द खुलासा करने की पुलिस से मांग की है।

## बिजनौर में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट

जिला अस्पताल और एसपी आवास के पास हुई घटना, पुलिस की मौजूदगी में भी चलते रहे हाथ

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

कोतवाली शहर क्षेत्र के जिला मेडिकल अस्पताल की इमरजेंसी और एसपी आवास के पास दो गुटों के बीच देर रात जमकर मारपीट हुई। इस घटना के तीन वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

वीडियो में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में लोग आपस में मारपीट करते दिख रहे हैं। पुलिसकर्मी मारपीट कर रहे लोगों को अलग करने और भीड़ को हटाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल दिखाई दे रहा है। जिसका इलाज किया जा रहा है।

पहले वीडियो 12 सेकेंड का है। जिसमें जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मारपीट हो रही है।

दूसरा वीडियो भी अस्पताल की इमरजेंसी का है, जहां हंगामा हो रहा है। तीसरा वीडियो 33 सेकंड का है, जो एसपी आवास के बाहर और जिला अस्पताल के गेट के बाहर की घटना दिखा रहा है।

थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के भरत विहार निवासी एक युवक का कुल दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। रविवार की रात कुछ युवकों ने उसे युवक के साथ मारपीट कर दी। अस्पताल की इमरजेंसी और अस्पताल के बाहर हुई। इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

फिलहाल पुलिस कानूनी कार्यवाही में जुट गई है। पीड़ित युवक किसी तरह वहां से भाग कर मेडिकल अस्पताल पहुंचा। आरोप है कि मेडिकल अस्पताल की इमरजेंसी में भी पुलिस की मौजूदगी में उसके साथ जमकर मारपीट की गई। अभी तक इस मामले में पुलिस की ओर से कोई अधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

## नहटौर थाना परिसर में शान्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

थाना कोतवाली में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण सम्पन्न करने को लेकर सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किये, बैठक मे नगर क्षेत्र के गणमान्य लोग उपश्तिथ रहे।

थाना कोतवाली परिसर मे आयोजित शांति समिति की बैठक मे आगामी त्योहार श्री कृष्ण जन्माष्टमी, रामडोल जुलुस, चेहल्लुम, गणेश चतुर्थी को शांतिपूर्ण संपन्न करने को लेकर सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारे भाईचारे ओर एकता के प्रतीक है। हम सभी को मिलजुल कर अपने अपने त्योहार मानने चाहिए।

बैठक को सम्बोधित करते हुए थानाध्यक्ष धीरज नागर ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुरूप त्यौहार मनाए।नगर पालिका से साफ सफाई की व्यवस्था दुरुश्त करने व विद्युत विभाग से खंभो को पॉलिथीन से कवर करने के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यदि किसी ने अशांति फैलाने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएंगी। इस दौरान रामडोल शोभायात्रा के संयोजक व संचालक विनीत गोयल ने बताया कि 16 अगश्त को नगर में जनमाष्टमी पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा तथा 17 अगश्त को नगर में रामडोल शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो पंचायती मन्दिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई।

थाने के सामने जाकर सम्पन्न होगी। बैठक में हाजी अब्दुल कादिर, विशेष उपाध्याय,अंकुश अग्रवाल, विनीत गोयल, हाजी असलम सैफी, प्रदीप अग्रवाल, अग्नि देवता, टीकम सिंह चौहान, प्रशांत वर्मा, राजीव चौहान, प्रदीप अग्रवाल रतन सैनी, सभासद नवील अहमद, मास्टर शराफत, राहुल चौधरी, प्रदीप अग्रवाल, पूर्व प्रधान संजीव कुमार, हाजी असलाम सैफी, ख़ुर्शीद आलम अंसारी, महफूज उर्फ गुडडे सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपश्तिथ रहे।


उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, उत्तर रेलवे, रोहतक रोड, शकूरबस्ती, दिल्ली–56 भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निर्धारित प्रोफार्मा पर एक पैकेट प्रणाली में ई खुली निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| कार्य का नाम | गढ़ी हरसरू में वाई–कनेक्शन के साथ–साथ मिट्टी भरने एवम बलैंकटिंग और छोटे पुलों के निर्माण तथा अन्य संबंध कार्यो का कार्य करना। |
| अनुमानित लागत | रु. 7.67 करोड़ |
| धरोहर राशि | रु. 533500/– |
| कार्य पूरा करने की अवधि | स्वीकृति पत्र जारी होने के 12 माह के अन्दर। |
| रेलवे की वेब साईट पर निविदा की बिक्री एवं उपलब्धता | निविदा दस्तावेज दिनांक 25.08.2025 से 08.09.2025 तक समय 11:30 बजे उपलब्ध रहेंगे। |
| निविदा अपलोड करने की दिनांक/समय | निविदा कर्ता दिनांक 25.08.2025 से 08.09.2025 समय 11:30 वैब साईट से अपलोड कर सकते हैं। |
| निविदा के खुलने की तिथि एवं समय | निविदा अपलोड करने के तुरन्त पश्चात् दिनांक 25.08.2025 को 11:30 तक। |

संख्या : 419–एकाउन्टस/निर्माण/शकूरबस्ती दिनांक 11.08.2025

2449/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## संपादकीय

# अलविदा रजिस्टर्ड डाक : एक युग की ख़ामोश विदाई

एक सितंबर दो हजार पच्चीस को जब भारत डाक की रजिस्टर्ड डाक सेवा औपचारिक रूप से समाप्त कर दी जाएगी, तो संभवतः किसी समाचार पत्र के मुख्य पृष्ठ पर यह नहीं छपेगा, न ही किसी समाचार चैनल पर विशेष चर्चा होगी। यह समाचार जितना सामान्य प्रतीत होता है, उतना ही गहरा असर छोड़ता है-उस पीढ़ी पर, जिन्होंने वर्षों तक डाकिये की साइकिल की घंटी सुनकर अपने दिन की शुरुआत की। जिन्होंने पत्रों के माध्यम से रिश्तों को जिया और डाकघर की कतारों में खड़े होकर संवाद की प्रतीक्षा की।

रजिस्टर्ड डाक कोई साधारण सेवा नहीं थी। यह उन दिनों की गवाही थी जब हम कागज पर स्याही से अपने जज़्बातों को उकेरा करते थे। जब एक लिफ़ाफ़े में कई अनकही बातें, लंबा इंतज़ार और अनगिनत भावनाएँ समाहित होती थीं। जब एक पत्र, चाहे वह परिवार के किसी सदस्य का हो या सरकारी दस्तावेज़, केवल कागज का टुकड़ा नहीं होता था, बल्कि विश्वास का प्रतीक होता था-कि यह ज़रूर पहुँचेगा, सही हाथों में, सही समय पर।

रजिस्टर्ड डाक वह सेतु था, जो गाँव को शहर से, माँ को बेटे से, प्रेमिका को प्रेमी से, और नागरिक को शासन से जोड़ता था। वह न केवल संवाद का माध्यम था, बल्कि संबंधों को सुरक्षित रखने वाला प्रहरी भी था। उसकी विशेषता यह थी कि वह खोता नहीं था, वह भटकता नहीं था। उसका पंजीकरण उसकी सुरक्षा थी, और उसकी प्राप्ति की पावती एक तरह का भावनात्मक संतोष।

एक समय था जब डाकिया केवल संदेशवाहक नहीं, बल्कि घर का परिचित चेहरा होता था। उसकी आवाज़, उसकी साइकिल की घंटी और उसकी झोली में छिपे लिफ़ाफ़ों का इंतज़ार हर किसी को रहता था। कोई सरकारी पत्र हो, किसी मामा जी की मनी ऑर्डर, किसी दूर बैठे बेटे का समाचार-सब कुछ रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पहुँचता था। और जब पत्र मिलता, तो उसे खोलने से पहले उसे छूकर महसूस किया जाता था-उसके कागज़ की मोटाई, उसके रंग की गहराई और उस पर लगी स्याही की गंध-सबमें अपनापन होता था।

लेकिन अब समय बदल चुका है। तकनीकी प्रगति ने हमारे संवाद के तरीक़ों को पूरी तरह से बदल दिया है। आज मोबाइल फ़ोन, त्वरित संदेश सेवाएँ, सामाजिक माध्यम, और अंतर्जाल ने पारंपरिक पत्र-व्यवस्था को लगभग समाप्त ही कर दिया है। अब किसी को इंतज़ार नहीं रहता, सब कुछ पल में भेजा और पल में प्राप्त किया जाता है। ऐसे समय में भारत डाक द्वारा रजिस्टर्ड डाक को औपचारिक रूप से बंद करने और उसे स्पीड डाक में समाहित करने का निर्णय, समयानुकूल और आवश्यक तो है, परंतु भावनात्मक रूप से पीड़ादायक भी।

स्पीड डाक, निस्संदेह आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप एक बेहतर सेवा है। इसमें गति है, निगरानी है, तकनीकी दक्षता है। परन्तु उसमें वह आत्मीयता नहीं है जो रजिस्टर्ड डाक में थी। वह अपनापन, वह धीमा मगर विश्वसनीय संवाद, वह सादगी-अब इतिहास बन जाएगी।

रजिस्टर्ड डाक का अंत केवल एक सेवा का अंत नहीं है, यह एक युग का अंत है। वह युग जिसमें शब्दों को सहेजा जाता था, जिसमें उत्तर पाने के लिए दिन नहीं, सप्ताहों की प्रतीक्षा की जाती थी। जब एक उत्तर में प्रेम, सम्मान और भावनाओं की परतें होती थीं। आज हम भले ही एक क्लिक में संवाद कर सकते हैं, लेकिन उस संवाद में स्थायित्व और गहराई का अभाव है। हम संदेश तो भेजते हैं, पर भावनाएँ नहीं। हम पढ़ते तो हैं, पर समझते नहीं। रजिस्टर्ड डाक उस युग की अंतिम निशानी थी, जहाँ संवाद सिर्फ़ बात नहीं, एक भावना होता था।

हमारे पुराने संदूक़ों में आज भी ऐसी चिट्ठियाँ मिलती हैं-पीले पड़े कागज़, स्याही से भरे अक्षर, किनारों पर समय की छाप और भीतर वह सब कुछ जो किसी समय अनमोल था। वे चिट्ठियाँ अब केवल स्मृति हैं, किंतु रजिस्टर्ड डाक ने उन्हें आज तक सुरक्षित पहुँचाया। यह उसकी सबसे बड़ी सफलता है-कि उसने शब्दों को अमर बना दिया।

इस सेवा के बंद होने से एक भावात्मक सूत्र टूटेगा। यह वह सेवा थी, जिसने दूरी को भी एक बंधन बना दिया था। जिसने माँ के आँचल से बेटे तक, प्रेमिका की आँखों से प्रेमी तक, शिक्षक की सीख से छात्र तक-सबको जोड़ रखा था। अब स्पीड डाक आएगी-तेज़, सुविधाजनक, आधुनिक। परंतु उसमें वह ठहराव नहीं होगा, वह धैर्य नहीं होगा, वह प्रतीक्षा नहीं होगी जो रजिस्टर्ड डाक को विशेष बनाती थी।

आज हम तकनीकी दृष्टि से जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से खोखले भी हो गए हैं। संवाद तो अब भी होते हैं, पर उनमें आत्मा नहीं होती। रजिस्टर्ड डाक केवल चिट्ठी नहीं थी, वह आत्मा का दस्तावेज़ थी। अब जब वह विदा ले रही है, तो यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं है-यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक पृष्ठ बंद होना है।

रजिस्टर्ड डाक, तुमने केवल पत्र नहीं पहुँचाए, तुमने रिश्ते पहुँचाए। तुमने हमें जोड़ना सिखाया-शब्दों से, भावनाओं से, प्रतीक्षा से, और विश्वास से। तुम भले ही अब औपचारिक रूप से बंद हो जाओ, परंतु हमारी यादों में, हमारे पुराने संदूक़ों में, हमारे दिलों में तुम सदा जीवित रहोगी।

आज जब हम तुम्हें विदाई दे रहे हैं, तो यह विदाई नहीं, एक प्रणाम है-उस युग को, उस सादगी को, उस धैर्य को, उस अपनापन को, जिसे तुमने वर्षों तक अपने कंधों पर ढोया। अब भले ही डाकघर बदल जाएँ, डाकिए डिजिटल हो जाएँ, पत्र इतिहास बन जाएँ-परंतु तुम, रजिस्टर्ड डाक, हमारे लिए सदा अमर रहोगी।

# बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण बाजार

डा. जयंतीलाल भंडारी

इस समय देश में लोगों की बढ़ती हुई आमदनी, शहरीकरण के कारण बदलती जीवनशैली और खान-पान की आदतों में बड़े परिवर्तन के कारण भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का बाजार आकार तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में डेलायट और फिक्की के द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश में परिवारों के खाद्य बजट का वर्ष 2000-01 में अनाज और दालों पर 40 फीसदी खर्च किया जाता था, वह वर्ष 2023-24 में घटकर महज 14 फीसदी पर पहुंच गया है। देश में खान-पान तो लगभग हर आय वर्ग का बदला है, लेकिन शहरी संपन्न वर्ग अब अपने मासिक खाद्य बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड, बाहर खाने और डिलीवरी पर खर्च कर रहा है।

ग्रामीण भारत में भी इसी तरह का बदलाव दिख रहा है। ग्रामीण खपत अनाज से पेय पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ रही है। निश्चित रूप से लगातार तेजी से बढ़ते खाद्यान्न उत्पादन और लोगों की खान-पान शैली में बड़े बदलाव के कारण देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से बढ़ रहा है।

रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार कृषि उत्पाद जब तैयार भोजन का रूप लेता है तो उसके मूल्य में लगभग 30 फीसदी की वृद्धि होती है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की खाद्य प्रसंस्करण पर प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण का क्षेत्र वर्ष 2023 में करीब 307 अरब डॉलर का था, इसके तेजी से बढ़कर वर्ष 2030 तक करीब 700 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 125 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगा।

निसंदेह इस समय भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरु किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के तहत पिछले दस वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का एफडीआई प्राप्त हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढ़कर दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं।

एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन, अनाज का प्रसंस्करण, चार, मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वश्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार के द्वारा देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के तहत इन पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मु_यिों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए पीएलआई योजना लागू की है उससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है।

सितंबर 2020 में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए सुनिश्चित किए गए एक लाख करोड़ रुपए की वित्त पोषण सुविधा से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहा है। खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए

सरकार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे चुकी है। साथ ही देश में वर्ष 2020 से शुरू की गई किसान ट्रेनें भी खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिए ईपीएफ का गठन किया गया है।

मौजूदा 'कृषि-क्लस्टरों' को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। एपीडा को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं।

छोटे फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को वित्त, तकनीक और अन्य तरह की मदद पहुंचाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की 'केंद्रीय प्रायोजित पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोससिंग एंटरप्राइज योजना' सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

इस योजना के तहत राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कच्चे माल की उपलब्धता का ध्यान रखते हुए हर जिले के लिए एक खाद्य उत्पाद की पहचान करें। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के आधार पर चुने गए उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जा रही है। वश्तुतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों का महत्वपूर्ण घटक है। जहां खाद्य प्रसंस्करण कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन निश्चित रूप से भारत खाद्य प्रसंस्करण की ऊंची संभावनाओं को पर्याप्त रूप से मुट्ठी में नहीं ले पा रहा है।

यही कारण है कि खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत बहुत पीछे है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण का शतर विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है।

डेलायट और फिक्की की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल खाद्य उत्पादन का 10 फीसदी से भी कम हिस्सा प्रसंस्कृत होता है। सब्जियों के लिए प्रसंस्करण शतर 2.7 फीसदी, फलों के लिए 4.5 फीसदी, मत्स्य पालन के लिए 15.4 फीसदी और दूध के लिए 21.1 फीसदी है।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे होना भी है। अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से 12 से 14 फीसदी तक खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है। कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। देश में खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भंडारण की क्षमता आधी से भी कम करीब 1450 लाख टन ही है।

उम्मीद करें कि सरकार के द्वारा हाल ही में 16 जुलाई को स्वीकृत धन-धान्य और समृद्धि योजना को मंजूरी दी गई उसके तहत कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने और कृषि क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करने की डगर पर सरकार तेजी से आगे बढ़ेगी और उससे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को भी नई गति मिलते हुए दिखाई देगी।

उम्मीद करें कि सरकार के द्वारा खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में बढ़ती हुई आर्थिक, निर्यात और रोजगार संभावनाओं को मुट्ठियों में लेने के लिए इस सेक्टर की डगर पर जो बाधाएं आ रही हैं, उनका उपयुक्त निराकरण किया जाएगा। खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण शतर को बढ़ाया जाएगा।

उम्मीद करें कि खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की पीएलआई योजना से फसलों की कटाई के बाद फसल की बर्बादी रोकने, बेहतर खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता प्रमाणन व्यवस्था, तकनीकी उन्नयन और लॉजिस्टिक सुधार के कारण देश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

उम्मीद करें कि भारत में सरकार के द्वारा सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के निर्माण की योजना कारगर तरीके से तेज कार्यान्वयन की डगर पर आगे बढ़ेगी। इससे जहां भारत में खाद्यान्न की बर्बादी कम होगी। किसानों की आय बढ़ेगी, देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं भारत वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में ऊंचाई प्राप्त करते हुए वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी बड़ा मददगार देश साबित होते हुए दिखाई दे सकेगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

# नेहरू ने दिलाया था वोट का अधिकार : अब उसे लिमिटेड करने का प्रयास

शकील अख्तर

राहुल की यह बात सही है कि मुख्यतः तो जनता को जागरूक होना पड़ेगा। लोकतंत्र उसी के लिए है। अगर वही नशे में रही तो उसका वोट उसके हाथ से छिन जाएगा। नफरत और विभाजन यही दो चीज भाजपा को आती हैं। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने इन दोनों का नशा फैलाने के अलावा और कुछ नहीं किया। राहुल इसी नशे को तोड़ना चाहते हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना काम कर दिया। अब यह देश की जनता पर है और संवैधानिक संस्थाओं पर भी कि क्या वोट चोरी के इतने बड़े खुलासे के बाद भी उनकी नींद या नशा नहीं टूटता? राहुल गांधी ने तो 7 अगश्त को अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में साफ कहा कि इतना बड़ा धमाका उन्होंने जनता को जगाने के लिए किया है। वह जागे सोचे कि वोट किस तरह चोरी करके सरकार बनाई जा रही है।

राहुल की यह बात सही है कि मुख्यतः तो जनता को जागरूक होना पड़ेगा। लोकतंत्र उसी के लिए है। अगर वही नशे में रही तो उसका वोट उसके हाथ से छिन जाएगा। नफरत और विभाजन यही दो चीज भाजपा को आती हैं। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने इन दोनों का नशा फैलाने के अलावा और कुछ नहीं किया।

राहुल इसी नशे को तोड़ना चाहते हैं। और देश के लिए यह जरूरी है कि उसमें विभाजन नहीं एकता हो। नफरत नहीं प्रेम हो। नफरत और विभाजन कुछ समय के लिए वोट तो दिला सकते हैं मगर हमेशा नहीं। फिर वोट चोरी करना पड़ता है। राहुल ने मय सबूतों के बताया कि 2024 लोकसभा चुनाव में किस तरह वोट चोरी हुआ। दश्तावेजों के जरिए। और दश्तावेज भी चुनाव आयोग के ही। कोई अखबारों की कटिंग नहीं, किसी नेता के कोई आरोप नहीं वह कागज जो चुनाव आयोग के हैं।

मगर चुनाव आयोग नेता प्रतिपक्ष के एक आरोप का जवाब नहीं दे पाया है। मगर जालसाजी पकड़ी जाने पर उल्टा हमलावर होने की कोशिश कर रहा है। राहुल से शपथपत्र मांग रहा है। किस बात का शपथ पत्र? राहुल नेता प्रतिपक्ष हैं। संविधान की शपथ लेकर सांसद बने हैं। और जब लोकसभा का चुनाव लड़ा जाता है तो हर प्रत्याशी शपथ पत्र देता है। लेकिन क्या चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त का पद संभालने से पहले इन लोगों ने कोई शपथ पत्र दिया था?

इन्होंने तो नहीं दिया। मगर समाजवादी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 18 हजार शपथपत्र देकर चुनाव आयोग से वोट काटे जाने की शिकायत की थी। लेकिन क्या हुआ? सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राहुल से शपथ पत्र मांगे जाने पर कहा कि पहले चुनाव आयोग यह बताए कि हमारी शपथ पत्र देकर शिकायतों पर उसने क्या किया? एक बीएलओ तक नहीं हटाया। आज तक कोई जवाब भी नहीं आया। उन्होंने पिछले दिनों हुए कुंदरकी विधानसभा उप चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस वाले सर्विस रिवाल्वर लिए वोटरों को धमका रहे थे। खुद पुलिस वोट डाल रही थी। इसकी रिकॉर्डिंग चुनाव आयोग को दी गई। मगर क्या हुआ?

यहां यह बताना जरूरी है कि भाजपा ने यह सीट 31 साल बाद जीती। मुरादाबाद जिले की मुस्लिम बहुल यह सीट सपा की गढ़ मानी जाती है। चुनाव आयोग को इस उपचुनाव के बारे में अखिलेश के सवालों का जवाब देना चाहिए। उससे पहले 18 हजार शपथ पत्रों के साथ की गई वोट काटने की सपा की शिकायतों का भी। फिर राहुल से कोई सवाल करना चाहिए।

दूसरी बात जो हम कह रहे हैं कि राहुल ने तो जनता तक खुलासा पहुंचाने की बात कही। मगर देश की सबसे प्रमुख संवैधानिक संस्था सुप्रीम कोर्ट क्या कर रही है? क्या इतनी बड़ी वोट चोरी के दश्तावेजी खुलासे के बाद उसे स्वतः संज्ञान नहीं लेना चाहिए?

क्या तर्क दिया है चुनाव आयोग ने कि पूरी जांच में 273 साल लगेंगे! जबकि राहुल का कहना है डिजिटल फार्म में चुनाव आयोग उपलब्ध करवाए तो हम मिनटों में जांच कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट को चुनाव आयोग के इसी मजाक पर संज्ञान लेना चाहिए कि यह इतने सालों की बातें कैसे कर रहा है? और साथ ही यह भी पूछना चाहिए कि जो वह मांग रहा है उन लाख से ऊपर शपथ पत्रों पर साइन करने में नेता प्रतिपक्ष को कितना समय लगेगा? और यह भी कि अखिलेश यादव ने जो 18 हजार शपथ पत्र के साथ शिकायतें दर्ज करवाईं थीं उनका क्या हुआ?

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक जिम्मेदारी है। यह उसे निभाना चाहिए। संविधान का आर्टिकल 142 सुप्रीम कोर्ट को असीमित अधिकार प्रदान करता है। याद रहे देश में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है। संविधान के आर्टिकल 79 में इसकी व्याख्या है। और इस संसदीय लोकतंत्र का मूल तत्व वोट है। जिस पर संविधान सभा में लंबी बहसें हुईं थी। और नेहरू के पुरजोर तर्कों के बाद यह हर वयस्क व्यक्ति को दिया गया था। इसमें तमाम दक्षिणपंथी विचार थे कि इस को देना चाहिए उसको नहीं। खासतौर से गरीब कमजोर वर्ग को इससे बाहर करने के लिए कहा गया था कि जो पढ़ा-लिखा नहीं है उसे वोटिंग राइट नहीं होना चाहिए।

नेहरू जिनकी आलोचना प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा हमेशा करती रहती है उसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि नेहरू ने वहां सवाल उठाया कि देश की आजादी के लिए लड़ाई किसने लड़ी। और किसने नहीं लड़ी। नेहरू ने कहा कि जिन गरीबों ने आजादी के लिए सबसे आगे बढ़कर योगदान दिया उन्हें ही आजादी के बाद आप सरकार बनाने की प्रक्रिया से बाहर करना चाहते हैं? फिर कौन देगा वोट वे जिनका आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं?

नेहरू के विरोध के इस तरह के बहुत सारे कारण हैं। वे हमेशा आम जनता के साथ खड़े होते दिखाई देते हैं। उन्हें अधिकार देते हुए। मगर यहां उन पर लिखना अभिप्राय नहीं है। बस प्रसंगवश यह बात आ गई कि देश की जनता को वोट का अधिकार कैसे मिला। आज उसी को खत्म करने की साजिश है। बिना शर्त हर बालिग को जो बाद में राजीव गांधी ने 21 साल से कम करके 18 साल में कर दिया था उसे कंट्रोल करने की।

अभी चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कह दिया कि उसने बिहार में जो 65 लाख वोट काटे हैं उसकी सूची वह उन्हें नहीं देगा। मतलब वह चाहे जिसके वोट काट सकता है और यह बताएगा भी नहीं कि किसके काटे और क्यों?

सोमवार 11 अगश्त को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के सारे नेता संसद भवन से पैदल मार्च करते हुए निर्वाचन सदन जाएंगे। बिहार में गलत तरीके से करवाए विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ। 65 लाख वोट काट दिए और सुप्रीम कोर्ट को कह रहे है कि उसकी सूची देंगे नहीं।

चुनाव आयोग की इसी मनमानी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट को एक्शन लेना चाहिए। पुनरीक्षण जो अब वह देश भर में करवा रहा है। मतलब इसी तरह करोड़ों वोट काटेगा। और राहुल ने जैसा कर्नाटक की एक लोकसभा सीट बेंगलुरू सेंटर की केवल एक विधानसभा महादेवपुरा में जांच करके मय पुख्ता सबूतों के बताया कि वहां कैसे एक लाख से ऊपर फर्जी वोट बनाए गए। जिसने पूरे लोकसभा क्षेत्र के मतदान पेटर्न को बदल दिया। राहुल का आरोप है कि अकेले कर्नाटक में 7 सीटें और देश भर में 25 से ज्यादा सीटें ऐसे ही चुनाव आयोग ने फर्जीवाड़े के जरिए बीजेपी को जिताई हैं। सच तक पहुंचने की जिम्मेदारी किस की है? निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की। उसे करना ही होगा। नहीं तो भारत की न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र की हत्या में शामिल मानी जाएगी।

दूसरी बात। जो दरअसल पहली ही है। जनता को हिन्दू-मुसलमान की नफरत से बाहर निकलना होगा। नहीं तो वह यही करती रहेगी और उसका वोट अधिकार खत्म हो जाएगा। संविधान लागू होने से पहले जो कोशिश थी जिसे नेहरू ने नहीं होने दी थी वह हो जाएगा। लिमिटेड लोगों को वोटिंग का अधिकार। गरीब कमजोर वर्ग वोटिंग राइट से बाहर!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

# सोया हाथी जाग गया, अब नहीं रुकेगा?, न झुकेगा और न डरेगा...! जय हिंद!

विजय दर्डा

नौ अगश्त से हमारे देश की आजादी के पर्व की शुरुआत हो जाती है और आप सब आजाद भारत के आजाद विचारों के लोग हैं। इस तिरंगे के नीचे आप सब अपने-अपने क्षेत्र में आजादी का जश्न मना रहे हैं और मैं भी कलम की आजादी का जश्न मना रहा हूं।

अब आइए आर्थिक आजादी की बात करते हैं। हमारे प्यारे भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद हुए इस सप्ताह 78 साल हो जाएंगे। इन वर्षों में निश्चय ही हमने बेपनाह तरक्की की है। हम भारतीयों ने दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ी है। तरक्की का वो कोई राश्ता नहीं बचा है, जिस पर हम न चल रहे हों।

तो स्वाभाविक है कि जलने वाले जलेंगे और हमारी तरक्की की राह में कांटे भी बिछाएंगे। हमारे आर्थिक संसाधनों पर उनकी लोभी नजर रहेगी। विश्व व्यापार जैसे संगठनों को लकवा मार चुका है। वे किसी की रक्षा के काबिल नहीं रह गए हैं। तो सवाल है कि मौजूदा स्थितियों से हम आखिर कैसे निपटें? इस वक्त पूरी दुनिया अमेरिकी टैरिफ में उलझी हुई है और हम इससे अछूते नहीं हैं बल्कि सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में हैं। जब मैं यह कॉलम लिख रहा हूं तो अमेरिकी टैरिफ 25 की जगह 50 प्रतिशत हो चुका है। यानी भारत 100 रुपए का सामान अमेरिका को निर्यात करता है तो उस पर वहां 50 रुपए टैक्स लग जाएगा।

जाहिर है, भारतीय सामान अमेरिका में महंगा हो जाएगा और मांग कम हो जाएगी। कुल भारतीय निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है इसलिए हम निश्चय ही इस टैरिफ से प्रभावित होने जा रहे हैं। इस बिंदु पर आकर भारत की आर्थिक आजादी का सवाल खड़ा हो जाता है क्योंकि अमेरिका हमारी आर्थिक आजादी को नियंत्रित करना चाहता है।

मैं मानता हूं कि भारत की आजादी की दौड़ को पचा पाना सबके बस का काम नहीं है और वो हर क्षेत्र में हमारी आजादी को रोकना चाहेंगे। मुझे हाल ही का एक उदाहरण याद आता है। हमारे जो उद्योगपति आज तेजी से बढ़ रहे हैं उनमें अंबानी हैं, अदानी हैं, सज्जन जिंदल हैं। टाटा, बिड़ला और कई अन्य उद्योगपति हैं।

इनमें अदानी विश्व में नंबर दो पर पहुंच गए थे, लेकिन चिढ़ने वालों ने उन पर ऐसे तथाकथित आरोप लगाने शुरू कर दिए जिससे उनको ज्यादा से ज्यादा तकलीफ हो। ऐसा भय फैलाया गया कि अगर वे लंदन चले जाएं, यूरोप चले जाएं, अमेरिका के प्रभाव वाले देशों में चले जाएं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा! तो आज भारत का हर विरोधी अलग-अलग ढंग से गला घोंटना चाहता है।

इसके पहले चीन पर भी ट्रम्प ने 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और चीन ने भी उसका करारा जवाब दिया। आखिर हुआ क्या? ट्रम्प को झुकना पड़ा। मैं कोई अर्थशास्त्री नहीं हूं मगर पत्रकार, राजनेता और उद्योगपति के रूप में विश्लेषण की क्षमता तो रखता ही हूं। मुझे लगता है कि अमेरिका की नजर काफी वर्षों से भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान करीब 14 प्रतिशत का है और रोजगार में 42 प्रतिशत का योगदान है। डेयरी क्षेत्र का योगदान 5 प्रतिशत से कुछ ऊपर है और पशुपालन तथा उससे जुड़े उद्योगों को जोड़ लें तो साढ़े आठ प्रतिशत आबादी को रोजगार के साधन उपलब्ध कराता है। इधर दूध उत्पादन में भारत दुनिया में पहले नंबर पर है।

दुनिया के दूध उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 23 से 24 फीसदी है। दूसरे क्रम पर अमेरिका है लेकिन भारत के दूध और अमेरिका के दूध में बहुत अंतर है। उनके यहां पशुओं को प्रोटीन आहार देने के लिए मांस का उपयोग किया जाता है जबकि भारत के दुग्ध उत्पादक पशु शाकाहारी हैं! अब देखिए कि दोनों देशों में कृषि और डेयरी क्षेत्र में अंतर क्या है?

भारत में कृषि क्षेत्र को अत्यंत कम सहायता मिलती है लेकिन अमेरिका के किसानों पर अनुदान, तकनीकी सहायता और ऋण के मामले में सरकार मेहरबान है। यानी अमेरिकी कृषि क्षेत्र और वहां के किसान भारत की तुलना में अत्यंत साधन संपन्न हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, यूरोप के देश और चीन समेत कई देश कृषि पर सब्सिडी देते हैं।

ऐसे में अमेरिकी कृषि और डेयरी उद्योग को भारत में अनुमति मिल गई तो हमारे किसान बाजार में नहीं टिक पाएंगे। भारतीय किसानों की आर्थिक आजादी लुट जाएगी।जहां तक हमारी आर्थिक आजादी पर चीन के हमले का सवाल है तो हम भारतीय सजग हुए हैं मगर अभी भी चीनी उत्पादों से भारतीय बाजार अटे पड़े हैं। हमारे कुटीर और लघु उद्योग भारतीय बाजार में चीन के साम्राज्य को खत्म नहीं कर पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया का जो नारा दिया, उस दिशा में हम बढ़े जरूर हैं लेकिन अभी लंबी दूरी तय करना बाकी है। सरकार की दूरगामी नीति और आम आदमी की मेहनत ही स्थितियों को बदल सकती है। अभी भी हमारे यहां ब्यूरोक्रेसी का नजरिया पूरी तरह बदला नहीं है। जब तक हम लोग लेबर की प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी नहीं बढ़ाते, तब तक हम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे।

हमें हर क्षेत्र में गुणवत्ता का ध्यान रखना ही पड़ेगा। और तब हमें कोई नहीं रोक पाएगा। मैं अमेरिका की उन्नति की कहानी पढ़ रहा था तो वह प्रसंग सामने आया जब अर्थव्यवस्था चरमराने के बाद जॉन एफ। कैनेडी ने अमेरिकियों से कहा कि इस वक्त आप यह मत सोचिए कि अमेरिका मुझे क्या दे सकता है। यह सोचिए कि देश को आप क्या दे सकते हैं?

उसके बाद ही अमेरिका की किस्मत बदली! भारत के संदर्भ में भी हमें इसी तरह सोचने की जरूरत है। हम खुद की हश्ती को इतना बुलंद करें कि हमलावर भी चार बार सोचे! चीन शक्तिशाली है इसलिए अमेरिका को उसकी जगह बता दी! हमें पंचशील के मार्ग से भी आगे जाकर तीखे तेवर अपनाने होंगे। मुझे रामचरित मानस का एक प्रसंग याद आ रहा है।

परशुराम ने जब लक्ष्मण को अपने फरसे से डराने की कोशिश की तो लक्ष्मण ने कहा- 'इहां कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं, जो तर्जनी देखि मरि जाहीं' यानी यहां कोई भी कुम्हड़े के छोटे फल जैसा कमजोर नहीं है, जो तर्जनी उंगली दिखाने से ही मुरझा जाए। हमें याद रखना होगा कि भारत में अपार संभावनाएं हैं।

पिछले दो हजार साल का आर्थिक इतिहास देखें तो शुरुआती 1500 वर्षों तक विश्व उत्पादन में भारत का योगदान औसतन 46 फीसदी था। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बनाया तब भी योगदान 23 प्रतिशत था। जब वे गए तब तक योगदान घट कर 2 प्रतिशत रह गया। हमने खुद को संभाला और आज हम दुनिया की अर्थव्यवस्था में चौथे क्रम पर पहुंच चुके हैं।

ध्यान रखिए कि दुनिया में सबसे ज्यादा सोना आज भारत ही खरीदता है। और जो ताकतें हमारी आर्थिक आजादी पर हमला बोल रही हैं, उन्हें मैं सलाह दूंगा कि भारत की ताकत को कम करके मत आंकिए। भारत सोया हुआ हाथी था, जाग गया है। मश्त चाल से चल पड़ा है। न रुकेगा, न झुकेगा और न डरेगा।।।! जय हिंद!

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

# प्रदेश के 36 जिले बाढ़ से प्रभावित, बुधवार से फिर से भारी बारिश का अलर्ट हुआ जारी

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में हो रही मानसूनी बारिश पिछले दो दिनों में कमजोर होकर पश्चिमी-तराई इलाकों तक सिमट गई है। सोमवार को प्रदेश में कहीं कहीं छिटपुट बूंदाबांदी के ही आसार हैं। शनिवार व रविवार को शामली, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर आदि में छिटपुट बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि यूपी में मंगलवार की देर शाम से एक बार फिर मानसूनी बारिश जोर पकड़ेगी।

13 से 15 अगस्त के बीच प्रदेश के पूर्वी-पश्चिमी दोनों संभागों में अच्छी बारिश के संकेत हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक नया वेदर सिस्टम बन रहा है। इसके असर से खाड़ी से पूर्वा हवाएं पर्याप्त मात्रा में नमी लेकर पूर्वी यूपी में प्रवेश करेंगी और पूर्वी यूपी से शुरू होकर पूरे प्रदेश में दोबारा अच्छी बारिश की परिस्थितियां बनेंगी।

दो राजधानी में रविवार को मौसम ने एकदम से करवट ली और आसमान में बादलों का घेरा कमजोर पड़ा। धूप की वजह से अधिकतम तापमान में 2.6 डिग्री का उछाल आया। इससे गर्मी और उमस ने जोर पकड़ा। शहर के कुछ इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी भी हुई।

### कमजोर पड़ा है मानसूनी सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक दो-तीन दिन के बाद दोबारा अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है। तब तक गर्मी-उमस के बीच छिटपुट बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार राजधानी क्षेत्र में फिलहाल मानसून का सिस्टम थोड़ा कमजोर पड़ा है। ऐसे में बादलों की आवाजाही के बीच सोमवार दोपहर में छिटपुट बूंदाबांदी नजर आ सकती है। धूप की वजह से उमस का सामना भी करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में हवा के कम दबाव का नया क्षेत्र बन रहा है। इसके असर से खाड़ी से पूर्वा हवाएं पर्याप्त मात्रा में नमी लेकर आएंगी। ऐसे में 13 से 15 अगस्त के बीच बारिश में तेजी आने के आसार हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 2.6 डिग्री की उछाल के साथ 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान एक डिग्री की बढ़त के साथ 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

## गोकुल बैराज से फिर छोड़ा गया पानी, यमुना का दिखा रौद्र रूप...रास्ते डूब गए; 40 गांव में जारी किया अलर्ट

**आगरा , एजेंसी।** गोकुल बैराज से रविवार शाम सात बजे 75 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से यमुना में बाढ़ की आशंका है। वाटर वर्क्स पर रविवार शाम सात बजे नदी चेतावनी स्तर से एक फुट नीचे बह रही थी। न्यूनतम बाढ़ का चेतावनी स्तर 495 फीट है, जबकि यमुना का जलस्तर 494.30 फीट था। ऐसे में एहतियातन प्रशासन ने यमुना किनारे बसे 40 गांव में अलर्ट जारी किया है।

पहाड़ों पर लगातार बारिश से मथुरा और आगरा में यमुना उफान पर है। दिल्ली स्थित ओखला बैराज से यमुना में 28,091 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। सिंचाई बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार आगरा में वाटर वर्क्स पर पिछले 24 घंटे में यमुना के जलस्तर में 1.8 फीट की वृद्धि दर्ज की गई है। शनिवार शाम सात बजे यमुना का जलस्तर 492.5 फीट था, जो रविवार शाम सात बजे यह 494.30 फीट पहुंच गया।

बल्केश्वर स्थित अनुराग नहर में रविवार रात को यमुना का पानी घुस गया। हालांकि, आबादी क्षेत्र प्रभावित नहीं है, लेकिन खेत-खलिहान पानी में डूब गए हैं। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि तटवर्ती इलाकों में चेतावनी जारी की गई है।

डीएम के अनुसार यमुना में बढ़ते जलस्तर के कारण तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोग नदी में नहाने न जाएं। बचाव व राहत के लिए बाढ़ चौकियां सक्रिय कर दी गई हैं। डीएम ने बताया कि सोमवार को यमुना के निचले इलाकों में राजस्व टीम से सर्वे कराया जाएगा। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण हैं। उधर, यमुना में बाढ़ से करीब 40 गांव की 50 हजार से अधिक आबादी प्रभावित होती है। रुनकता, अकबरा, सिकंदरा, बाईपुर, खासपुर से लेकर ताजमहल की डाउन स्ट्रीम में बसे गांव में यमुना में बढ़ते जलस्तर से अफरातफरी शुरू हो गई है।

15 साल पहले 499 फीट पहुंचा था जलस्तर

2010 में यमुना में बाढ़ आ गई थी। दयालबाग व आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घुस गया था। तब जलस्तर 499 फीट तक पहुंचा था। इसके अलावा 2023 में यमुना का जलस्तर 497 फीट तक पहुंच चुका है। तब, ताजमहल की दीवार तक पानी पहुंच गया था। इससे पहले 1978 में यमुना ने रौद्र रूप धारण किया था। तब यमुना का जलस्तर 508 फीट तक पहुंच गया था।

## सड़क हादसे में साले की मौत, जीजा घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़। दिल्ली कानपुर हाइवे पर एक बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार जीजा साले गम्भीर रूप से घायल हो गए। हाईवे पर हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जुट गई।

सूचना पर इलाका पुलिस और एम्बुलेंस मोके पर आ गई। घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया मलखानसिंह सिंह भेजा जहां डॉक्टरों ने साले को मृत घोषित कर दिया और घायल जीजा को भर्ती कर लिया। पुलिस ने सोमवार की दोपहर पोस्टमॉर्टम कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार विजयगढ़ के थाना भटौली के गांव बाबूलाल किसान है। उनका 32 वर्षीय बेटा प्रदीप उनका हाथ बंटाता था। जिला बुलन्दशहर के थाना छतारी के गांव लाल गढ़ी निवासी जीजा लोकेश के साथ रविवार की शाम बाइक से नानऊ गए थे।

यहां से फोन लेकर घर वापस लौट रहे थे। बाइक को प्रदीप चला रहा था। इसी दौरान बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई।दोनो बाइक सहित सड़क पर गिरने से गम्भीर रुप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मोके पर आ गई। घायल प्रदीप और लोकेश को जिला अस्पताल भिजवाया। यहां डॉक्टर ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कर लिया। सूचना पर परिजन अस्पताल आ गए।

मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, मृतक तीन भाई बहनों में सबसे बड़ा था। उसकी कुछ समय पहले ही लक्ष्मी से शादी हुई थी। अभी उस पर कोई सन्तान नही है। इधर, हॉस्पिटल स्टाफ की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को पंचायत नामा की कार्यवाही के साथ पोस्टमार्टम करवाया। शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिवार में कोहराम मच गया। प्रदीप की मौत से पत्नी, भाई बहन और अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घायल लोकेश का अस्पताल में इलाज जारी है।

## कल गूंजेगा तिरंगे का जयघोष, निकलेगी भव्य रैली

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यालय कक्ष में बैठक आहूत की गई।

बैठक में सीडीओ ने विचार विमर्श करते हुए निर्धारित किया कि 13 अगश्त को प्रातः 8:00 बजे सुभाष चौक से भव्य एवं विशाल हर घर तिरंगा रैली का शुभारंभ किया जाएगा, जो कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर पर संपन्न होगी। इस रैली में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी के साथ आम जन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि रैली का आकर्षण पीएसी की 38वीं वाहिनी के बैंड दल की मधुर धुनें और देशभक्ति गीत होंगे, जो पूरे माहौल को देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत कर देंगे। रैली के समापन के उपरांत कल्याण सिंह हैबिटेट ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। सीडीओ ने आगे कहा कि 14 अगश्त को कलैक्ट्रेट सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन की तैयारियों को भी अंतिम रूप दे दिया गया है, जिससे कार्यक्रम गरिमा एवं गंभीरता के साथ संपन्न हो सके। बैठक में पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी, डीडीओ आलोक आर्या, डीसी एनआरएलएम मंजू त्रिपाठी, बीएसए राकेश कुमार सिंह, डीपीओ के.के. राय, सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार, डीएसटीओ ए.के. दीक्षित, आरटीओ व पंचायती राज कार्यालय के पटल सहायक दीपक एवं अंजुम उपस्थित रहे।

## जलभराव की समस्या के लिए महापौर दोषी : ठा. गवेन्द्र सिंह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जलभराव की समस्या को निगम की ही उपलब्ध है, यह उद्गार अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं उ.प्र. प्रभारी ठाकुर गवेन्द्र सिंह एडवोकेट ने व्यक्त किये। उन्होने जलभराव की समसया के लिए नगर निगम को दोषी ठहराया। गवेन्द्र सिं ने कहा कि नगर निगम नालों की सफाई ठीक से नहीं कराता है।

उन्होने महानगर की सड़कों मे गड्ढों के लिए भी नगर निगम को ही दोशी बताया और कहा कि सड़के बनकर तैयार नहीं होती है, उसके बाद बिजली विभाग, और टेलीफोन विभाग लाइन डालने के लिए खोद डालता है। हालात फिर से जस के तस बन जाते हैं, जिसकी वजह सडक हादसे होते रहते हैं। ठा. गवेन्द्र सिंह ने कहा कि आम जनता की गाडी कमाई का पैसा स्मार्ट सिटी के नाम पर सड़कों के निमार्ण के लिए खर्च कर दिए जाते हैं। ठा. गवेन्द्र सिंह ने महापौर प्रशांत सिंघल को आडे हाथों लेते हुए कहा कि चुनाव से जीतने से पहले गली मोहल्लों में वोट की भीख मांगते थे।

### शिक्षिका को इस कदर पीटा, फाड़ दिया कान का पर्दा

## वो चीखती रही...पूर्व चेयरमैन के बेटे को नहीं आया रहम

**आगरा, एजेंसी।**
आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र में एक शिक्षिका अपने बंद पड़े मकान को किरायेदार को दिखाने गई थीं। आरोप है कि पीछे से टूंडला के पूर्व चेयरमैन का बेटा आ गया और मारपीट कर शिक्षिका को घायल कर दिया। पिटाई से शिक्षिका के कान का पर्दा फट गया। पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। इसके बाद थाना ताजगंज में केस दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार न्यू आगरा थाना क्षेत्र के दयालबाग निवासी किरन सिंह शिक्षिका हैं। उन्होंने आठ साल पहले ताजगंज थाना क्षेत्र में पूर्व क्लाउड वेली कहरई के पास मकान खरीदा था। तब से वह मकान खाली पड़ा था। 24 जुलाई को वह मकान को किराये पर उठाने के लिए किरायेदार को दिखाने गई थीं। थोड़ी देर बाद ही उनका परिचित टूंडला के पूर्व चेयरमैन का बेटा राहुल चक भी पहुंच गया।

राहुल ने शिक्षिका के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर लोहे की एंगल से सिर पर हमला कर दिया। साथ ही लात-घूंसों से मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद आरोपी पर्स उठाकर वहां से भाग गया। उन्होंने तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी। जिला अस्पताल में मेडिकल कराया तो पता चला कि कान का पर्दा फट गया। चौकी पर शिकायत की लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

25 जुलाई को आरोपी धमकाने के लिए उनके घर आया। वह पुलिस चौकी जा रही थीं तो आरोपी अपने साथी सत्यम के साथ आया और फूल सय्यद चौराहा के पास कार को रोक लिया। केस दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देने के साथ एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी। तब से पीड़िता और उसका परिवार दहशत में हैं। पीड़िता का कहना है कि राहुल चक अपराधी किस्म का युवक है। वह घर से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्कूल में पढ़ाने जाती हैं। उन्होंने दोबारा हमले की आशंका जताई। डीसीपी सोनम कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

हरदुआगंज थाना क्षेत्र के गांव बुढ़ासी के पठान मोहल्ले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। महिला अपने घर में मृत अवस्था में पड़ी मिली। वहीं,

घटना की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ससुराल वालों और पति पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना था कि आरोपी पति लगातार रुपए की मांग कर रहा था और मारपीट करता रहता था। जिसके बाद रविवार रात को उसने पत्नी की हत्या कर दी। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है।

गुलाब शाह के भाई मोहम्मद नाजिम ने बताया कि लगभग 16 महीने पहले उनकी बहन गुलाब शाह का निकाह हरदुआगंज थाने के पठान मोहल्ला में हुई थी। निकाह के बाद से ही गुलाब शाह का पति लगातार उसके साथ मारपीट करता रहता था और रुपए की मांग करता था। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को उनकी बहन अपनी छोटी बहन से बात कर रही थी। भाई ने बताया कि लगभग 7 बजे गुलाब शाह की बात मायके में अपनी छोटी बहन से हो रही थी। इसी दौरान आरोपी पति वहां आ गया। जिसके बाद गुलाब शाह ने फोन काट दिया था।

भाई ने आरोप लगाया कि आरोपी ने फिर उसके साथ मारपीट की और गला दबाकर मार डाला। क्योंकि उसकी बहन के गले में निशान बने हुए थे और शरीर पर मारपीट के भी निशान थे। भाई ने बताया कि उसके बहनोई के आम के बाग थे। वह लगातार कह रहा था कि इस साल उसे नुकसान हो गया है और वह गुलाब शाह से 10 लाख रुपए मायके से मांगने की बात कहता था। जब वह मना करती थी तो आरोपी उसके साथ मारपीट करता था। रविवार को भी उसने ऐसा ही किया और उसकी हत्या कर दी। वहीं, घटना के बाद से आरोपी परिवार और ससुराल के सभी लोग घर से फरार हैं।

हरदुआगंज थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। मायके पक्ष से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## भाजपा सरकार में बढ़ा गुंडाराज, 2027 में सत्ता से करेंगे बेदखल

### भदोही में जमकर बरसे स्वामी प्रसाद

**भदोही , एजेंसी।** सर्व लोकहित समाज पार्टी के राष्ट्रीय सह संयोजक एवं पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार में गुंडाराज बढ़ गया है। महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध से जनता त्रस्त है। 2027 में छोटे-छोटे दलों के सहयोग से भाजपा को प्रदेश की सत्ता से बेदखल किया जाएगा। वह रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

पूर्व मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग के सहारे अल्पसंख्यक, पिछड़ों और दलितों को मतदान से वंचित करना चाहती है। देश में लोकतंत्र की खुलेआम हत्या की जा रही है। परिषदीय विद्यालयों का विलय कर गरीब के बच्चों को शिक्षा से रोका जा रहा है ताकि वे आईएएस, पीसीएस न बन सकें। प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया लेकिन किसान परेशान हैं। जबकि भाजपा के लोगों की आय चार गुनी हो गई।

सरकारी संपत्तियां जो पहले फायदे में रहीं, अब वह घाटे में चल रही हैं। अंबानी और अडानी के आगे सरकार झुक गई है। पूर्व मंत्री ने कहा कि लोक मोर्चा के 11 दल 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। इस चुनाव में प्रदेश की भाजपा शासित सरकार को बाहर करना एकमात्र लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एक पिछड़े समाज के बच्चे की बलि दी गई। इसमें पूरे परिवार के बजाय एक व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले में कार्रवाई के लिए वहां के अधिकारियों से बात करेंगे।

विशिष्ट अतिथि सर्व लोकहित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य नारायण मौर्य ने भी भाजपा को धोखेबाज पार्टी बताया। इस मौके पर पन्नालाल मौर्य, शिवशंकर मौर्य, अनिल कुमार, योगेश कुमार बिंद, सुशील कुमार मौर्य, श्रीनाथ मौर्य, राजेश कुमार मौर्य आदि रहे।

## इलाज के दौरान शिक्षक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

**अजीतमल एजेंसी।** अयाना के गांव सेंगनपुर में एक शिक्षक की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस पर परिजन गलत इलाज करने का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गांव सेंगनपुर निवासी रामचन्द्र द्विवेदी (57), पत्नी रामकांती, तीन बेटे सौरभ, गौतम व अनुपम के साथ अजीतमल कस्बे के आजाद नगर मोहल्ले में रहते थे। वह सेंगनपुर गांव स्थित पचनद इंटर कॉलेज में शिक्षक थे। रविवार दोपहर करीब तीन बजे अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने सीएचसी में गलत उपचार का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। कोतवाल ललितेश नारायण त्रिपाठी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## दबाव में एएमयू इंतजामिया, फीस वृद्धि कम करने की तैयारी

**अलीगढ़, एजेंसी।** एएमयू में 36 फीसदी शुल्क वृद्धि के विरोध में चल रहे छात्रों के आंदोलन, उसे मिल रहे बाहरी समर्थन से इंतजामिया भी दबाव में है। अब फीस वृद्धि कम करने की तैयारी है। 10 अगस्त को इस संबंध में इंतजामिया और एएमयू ईसी के सदस्यों की बैठक हुई। इसके बाद ईसी के सदस्यों ने छात्रों से भी मुलाकात की। फीस वृद्धि पर गठित समिति की भी पहली बैठक हुई है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने भी 10 अगस्त को आंदोलन को समर्थन दिया। देश-विदेश के एएमयू एल्युमिनाई, विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारी भी छात्रों के समर्थन में आ गए है। इसके चलते एएमयू इंतजामिया भी दबाव में है।

**एएमयू में मार्च निकालते छात्र-छात्राएं -** एएमयू के जनसंपर्क कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सत्र 2025-26 में शुल्क वृद्धि से संबंधित विद्यार्थियों की चिंताओं को दूर करने के लिए गठित जांच समिति की 10 अगस्त शाम बैठक हुई। इसमें समिति के संयोजक प्रो. एम असमर बेग (राजनीति विज्ञान विभाग), सदस्य प्रो. बीपी सिंह (भौतिकी विभाग), प्रो. फर्रुख अर्जमंद (रसायन विभाग) शामिल रहे। विद्यार्थियों के आवेदनों की समीक्षा की गई। समिति के सदस्यों 15 से 20 प्रतिशत की शुल्क संरचना पर चर्चा की। समिति को एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देनी है। 10 अगस्त को ही एएमयू प्रशासन और कार्यकारी परिषद (ईसी) के स्थानीय सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें शुल्क वृद्धि को लेकर चर्चा की गई। जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि ईसी प्रतिनिधियों ने धरना दे रहे छात्रों से भी मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिया कि फीस वृद्धि पर उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने छात्रों से कक्षाओं में लौटने और पढ़ाई पर ध्यान देने की बात भी कही। सदस्यों ने छात्रों को आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों की फीस वृद्धि से संबंधित उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने छात्रों से कक्षाओं में लौटने और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की अपील भी की। वहीं, इस मामले में विद्यार्थियों का कहना है कि सोमवार का निर्णय लिया जाएगा। छात्रों का कहना है कि वह भी सोमवार को बैठक कर अपनी रणनीति बनाएंगे।

## कर्ज उतारने के लिए फैक्ट्री में कराई चोरी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़। सासनीगेट थाना क्षेत्र में दिल्ली के कारोबारी की फैक्ट्री में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। फैक्ट्री में काम करने वाले एक वर्क ने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी कराई थी और फिर चुपचाप फैक्ट्री में ही काम करता रहा था। सीसीटीवी कैमरों की जांच में पुलिस ने संदिग्धों को चिन्हित किया था, जिसके बाद सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी के रुपए और व्यापारी का बैग भी बरामद किया है।

सोमवार को पुलिस लाइन स्थित चुनाव कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक (नगर) मृगांक शेखर पाठक द्वारा पत्रकार वार्ता में बताया कि दिल्ली निवासी ओमप्रकाश अरोड़ा की अलीगढ़ के सासनीगेट थाने में लोहे की फैक्ट्री है। वह हर गुरुवार को यहां आते हैं। बीते 7 अगश्त को भी वह अलीगढ़ आए थे और मजदूरों को सेलरी बांटने के लिए 5 लाख रुपए लाए थे। उन्होंने अपने केबिन में टेबल पर रुपए से भरा बैग रखकर बाथरूम गए थे। जब वह वापस लौटे तो उनका बैग गायब था।

जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी थी और सासनी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। सोमवार को पुलिस ने फैक्ट्री के ही पुलिस ने व्यापारी के गोदाम में काम करने वाले मोहन उर्फ गोलू निवासी थाना देहलीगेट और उसके साथी बोतल उर्फ फरहान कुरैशी निवासी थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया है। मोहन ने पुलिस को बताया कि दोनों पिछले तीन साल से दोश्त हैं। दोनों के ऊपर काफी कर्ज था और दोनों आर्थिक रूप से परेशान थे। जिसके बाद उन्होंने अपने मालिक के रुपए चोरी करने की योजना बनाई। दोनो 5 अगश्त को मलखान सिंह जिला अस्पताल में मिले थे और दोनों ने चोरी की योजना बनाई थी। घटना के दिन जब उनका मालिक अलीगढ़ आया तो दोनों ने अपनी योजना के अनुसार उसके रुपए चोरी कर लिए।

इसके बाद मोहन शांति पूर्वक गोदाम में ही काम करता रहा। सीओ प्रथम एएसपी मयंक पाठक ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। पुलिस की टीमों ने आसपास के 150 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें आरोपी नजर आ गए थे।

इनकी गतिविधि संदिग्ध थी, जिसके बाद पुलिस लगातार इनकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर दोनों आरोपियों को सोमवार को मथुरा रोड रेलवे ट्रैक पुल के नीचे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से चोरी के 4.49 लाख रुपए बरामद कर लिए गए हैं। जबकि बाकी के रुपए आरोपियों ने खर्च कर लिए थे। गोलू के पास से 2.49 लाख रुपए बरामद हुए हैं, जबकि आरोपी बोतल के पास से पुलिस को 2 लाख रुपए और चोरी किया हुआ बैग बरामद हुआ है।

एएसपी ने बताया कि मामले के खुलासे में सासनीगेट थाना प्रभारी हरिभान सिंह राठौड़ और उनकी टीम शामिल है, जिन्होंने 4 दिन में आरोपियों को गिरफ्तार करके रुपए बरामद किए हैं। पूरी टीम को प्रशशित पत्र देकर सम्मानित किया गया और नकद पुरस्कार के लिए एसएसपी से सिफारिश की जाएगी।

# अन्नू-कुजूर और मुरली चमके, भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में उम्मीदों पर खरे उतरे

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** कुजूर ने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

स्टार धावक अनिमेष कुजूर, अनुभवी भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और लंबी कूद के दिग्गज एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में अपनी अपनी स्पर्धाओं में जीत हासिल कर उम्मीदों पर खरे उतरे। विश्व एथलेटिक्स की कांस्य स्तर की यह प्रतियोगिता सुचारू रूप से चली, लेकिन इसमें वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी काफी कम थी।

कुजूर का प्रदर्शन हालांकि नाटकीयता से भरा रहा। 22 वर्षीय इस एथलीट ने सुबह अपनी 100 मीटर की हीट रेस में कुछ कदम के बाद ही दौड़ना बंद कर दिया था।, वह आधे घंटे बाद अपनी 200 मीटर की हीट रेस में दौड़े और 20.99 सेकंड के समय के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 सेकंड) दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। श्रीशंकर का मुकाबला उभरते हुए किशोर शाहनवाज खान से था। खान ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 17 वर्षीय खान चौथे प्रयास में 8.04 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पर थे, जबकि श्रीशंकर 7.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर थे। 26 साल के श्रीशंकर ने हालांकि अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की छलांग लगाकर रोमांचक अंदाज में स्वर्ण पदक जीता। यह चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद वापसी पर उनका लगातार चौथा खिताब है। वह हालांकि तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालिफिकेशन मार्क 8.27 मीटर को हासिल करने में नाकाम रहे।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने चौथे प्रयास में 62.01 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इससे सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की उनकी संभावना मजबूत हो गई। वह 64 मीटर के स्वत- क्वालीफिकेशन से दूर है लेकिन 'रोड टू तोक्यो' सूची में 30 वें पायदान पर है। इसमें सूची में शीर्ष 36 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.22 मीटर है। उन्होंने इसे 2022 में हासिल किया था। कलिंगा स्टेडियम में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारतीय प्रतिभागियों द्वारा 80 मीटर का आंकड़ा मुश्किल से पार कर पाने से दर्शक निराश हुए। श्रीलंका के रोमेश थरंगा पथिरागे ने 86.50 मीटर के अपने पहले प्रयास के साथ पुरुषों का भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 85.50 मीटर के विश्व चैंपियनशिप के स्वत- क्वालीफिकेशन को भी पार कर लिया। भारत के 20 वर्षीय शिवम लोहकरे ने 80.73 मीटर के साथ रजत पदक जीता। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघ 80.65 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के रोहित यादव (80.35 मीटर) और एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता सचिन यादव (79.80 मीटर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। शैली सिंह ने 6.28 मीटर के औसत प्रदर्शन वाले छलांग के साथ महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा जीती।

भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने श्रीलंका (3-08.22) के बाद दूसरे स्थान पर रहकर निराश किया। टी. संतोष कुमार, विशाल टी.के., अमोज जैकब और धर्मवीर चौधरी की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 08.37 सेकंड का समय लिया। मलयेशिया के मुहम्मद अजीम बिन ने 10.35 सेकंड में 100 मीटर की दौड़ जीतकर मीट के सबसे तेज धावक का ख़िताब हासिल किया।

## फुटबॉलः

## अंडर-20 महिलाओं के लिए 25,000 डॉलर के इनाम की घोषणा, एआईएफएफ ने किया एलान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अंडर-20 महिला टीम को 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करने पर 25,000 डॉलर की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। अंडर-20 महिला टीम सात अंक के साथ ग्रुप डी में शीर्ष पर रही और रविवार को यंगून में मेजबान म्यांमार पर 1-0 की जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पूजा ने 27वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। टीम ने इससे पहले इंडोनेशिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था और तुर्कमेनिस्तान को 7-0 से हराया था। भारत ने क्वालिफायर में एक भी गोल नहीं खाया। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 का आयोजन अप्रैल 2026 में थाईलैंड में होना है। एआईएफएफ ने इसका श्रेय भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से 'पिछले कुछ वर्षों में निरंतर योजना और विकासात्मक प्रयासों' को दिया है। एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अस्मिता महिला फुटबॉल लीग जैसी पहल ने जमीनी स्तर पर ढांचे को मजबूत किया है जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष पंजीकृत महिला फुटबॉलरों की संख्या में '232त्न की वृद्धि' हुई है।

## आई पी एल 2025 और चैंपियंस ट्रॉफी में क्यों फ्लॉप रहे, राशिद खान ने बताई बड़ी वजह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राशिद खान ने सर्जरी के बाद पहले टेस्ट मैचों में वापसी पर अफसोस जताया जबकि उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी गई थी जिसके कारण चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन खराब रहा। अफगानिस्तान के क्रिकेट स्टार राशिद खान ने लंबे समय के बाद वापसी करते हुए टेस्ट मैच खेलने पर अफसोस जताया और इसे अपने शरीर पर पड़ने वाले असर के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस दिग्गज स्पिनर ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद पीठ की सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद वह 6 महीने से ज्यादा समय तक मैदान से बाहर रहे। राशिद ने जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच में वापसी की, लेकिन इससे उनके शरीर पर बुरा असर पड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा। एक इंटरव्यू में राशिद खान ने कहा, जब मैं सर्जरी के बाद वापस आया तो मुझे बताया गया कि इतनी जल्दी लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी मत करो, यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। जब मैं 8-9 महीने बाद वापस आया तो मैंने टेस्ट क्रिकेट खेला। मैंने 65 ओवर गेंदबाजी की और इससे मुझे थोड़ा दर्द हुआ। मुझे लगा कि मुझे सफेद कपड़ों में नहीं होना चाहिए था, मेरा मतलब है कि टी20 ठीक है। उस समय मुझे एहसास नहीं हुआ, लेकिन बाद में मुझे लगा कि मैंने गलती की है। अफगानिस्तान के इस स्पिनर ने कहा कि उन्हें लगा कि एकमात्र उपाय यही है कि कुछ समय के लिए आराम किया जाए और अपने शरीर को आराम दिया जाए। आईपीएल 2025 में राशिद का प्रदर्शन हमेशा की तरह नहीं रहा, 15 मैचों में सिर्फ 9 विकेट ही ले पाए और साथ ही काफी महंगे भी रहे। आईपीएल 2025 में उनका इकॉनमी रेट 9.34 रहा, जबकि उनका करियर इकॉनमी रेट 7.08 रहा।

## मुकेश अंबानी बुमराह को IPL खेलने से रोक देते?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं. इंग्लैंड सीरीज के दौरान उन्हें चोट लगी जिसकी वजह से वो पांचवां टेस्ट मैच नहीं खेल पाए. यही नहीं इस खिलाड़ी को मैच से पहले टीम से ही रिलीज कर दिया. अब बुमराह का एशिया कप में नहीं खेलना भी तय माना जा रहा है. इस बीच जसप्रीत बुमराह पर पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने बड़ा बयान दिया है. दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि बुमराह की जिस तरह की फिटनेस है और जिस तरह उन्हें चोट लगती रहती है उसे देखते हुए उन्हें आईपीएल 2025 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था.

## ऋषभ पंत निश्चित रूप से धोनी से आगे निकल जाएंगे: आकाश चोपड़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऋषभ पंत अगर टेस्ट मैच खेलना जारी रखते हैं, तो वह इस फॉर्मेट में एमएस धोनी के कुल रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। पंत इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में इंजरी के बाद रिकवरी की राह पर हैं।

आकाश चोपड़ा ने रविवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टेस्ट मैचों और रनों की संख्या के मामले में एमएस धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच में 144 पारियां खेली हैं, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए हैं। उनके नाम छह शतक हैं। पंत ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं और कुल 8 टेस्ट शतक लगाए हैं। उन्होंने कहा, अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और एमएस धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत पहले ही रनों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1,400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो जाहिर है कि वह एमएस धोनी से आगे निकल जाएंगे। चोपड़ा ने कहा, पंत ने अब तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3,427 रन बनाए हैं। उनके शतकों की संख्या आठ है, जो धोनी के छह शतकों से दो ज्यादा है। क्या यह कहना सही होगा कि पंत भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले सबसे महान विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया के अब तक के श्रेष्ठ विकेटकीपरों की सूची देखें तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5,570 रन बनाए हैं। वह फिलहाल पंत से आगे हैं, लेकिन पीछे छूट सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के सफलतम विकेटकीपर-बल्लेबाज की बात करें तो पहले स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा का नाम है। उन्होंने 134 टेस्ट मैचों में 12,400 रन बनाए। इसमें कुल 38 शतक हैं। इंग्लैंड के हालिया टेस्ट दौरे पर पंत ने सात पारियों में 68.42 की शानदार औसत से 479 रन बनाए। इसमें हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच में लगाए दो शतक भी शामिल हैं।

**● हरमनप्रीत बोलीं- टीम वर्ल्ड कप सूखा खत्म करने को तैयार**

## विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी लॉन्च हुई; 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनकी टीम अगले महीने से शुरू हो रही विमेंस वर्ल्ड कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करना चाहती है और पूरा भारत हमारे वर्ल्ड कप जीतने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से हमें अपनी तैयारियों का अंदाजा लग जाएगा कि हम कहां खड़े हैं। हरमनप्रीत ने ये बातें सोमवार को 30 सितंबर से भारत में होने जा रहे विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लॉन्चिंग सेरेमनी में कहीं।

इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया भी मौजूद रहे। भारतीय महिला टीम ने कभी-भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम ने 2017 में फाइनल तक का सफर किया था, लेकिन इंग्लैंड से हारकर टीम रनरअप रही थी। 14 सितंबर से शुरू होगा ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा विमेंस वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगा।

14 सितंबर से शुरू हो रहे इस दौरे में 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच विमेंस वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में खेला जाना तय हुआ है, लेकिन यह मैच शिफ्ट हो सकता है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को इस मैच के आयोजन के लिए अभी तक कर्नाटक सरकार से मंजूरी नहीं मिली है।

## टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, टी-20 में पहली बार खेली इतनी ज्यादा गेंदें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले पहले टी20 के बाद ये कमाल की उपलब्धि उनके नाम हुई. टिम डेविड ने ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेले पहले टी20 में जो किया, उसके बाद उन्होंने सिर्फ सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ा बल्कि ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो भी बने. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने टी20 करियर की सबसे ज्यादा गेंदें भी एक पारी में इसी मुकाबले में फेस की. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए. इसमें 83 रन अकेले टिम डेविड के बल्ले से निकले. इस पारी के दौरान टिम डेविड ने 12 बाउंड्रीज लगाईं, जिसमें से 8 सिर्फ छक्के रहे. मगर उसके बावजूद उन्होंने इतनी गेंदें खेली, जितनी टी20 करियर में पहले कभी किसी इनिंग में नहीं खेली.

टिम डेविड ने अपनी इनिंग में 52 गेंदों का सामना किया. ये पहली बार है जब उन्होंने 50 से ज्यादा गेंदें खेली है. इससे पहले उन्होंने सबसे ज्यादा 46 गेंद किसी एक टी20 इनिंग में 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग के खिलाफ खेली थी.

टिम डेविड ने तोड़ा सूर्यकुमार का वर्ल्ड रिकॉर्ड

अब सवाल है कि टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का बनाया कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है? ये वर्ल्ड रिकॉर्ड टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट का है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 अगस्त को खेले पहले अ के बाद टिम डेविड अब सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज बन गए हैं. सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट टी20 इंटरनेशनल में 167.07 का है. जबकि टिम डेविड की स्ट्राइक रेट 167.37 की हो चुकी है.

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराया

साउथ अफ्रीका की टीम के सामने 179 रन का लक्ष्य था. लेकिन, उसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन ही बना सके. ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 17 रन से जीता और इसी के साथ 3 टी20 की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल की।

## मेसी की अनुपस्थिति में इंटर मियामी की हार

**लंदन, एजेंसी।** मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में अपना शानदार अभियान जारी रखा और प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल को हराकर वेम्बली में एक और उलटफेर करते हुए कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। वहीं, दूसरी तरफ इंटर मियामी को सुपरस्टार लियोनल मेसी की अनुपस्थिति में मेजर लीग सॉकर फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच में ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

**क्रिस्टल पैलेस की शानदार जीतः** मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। पैलेस की इस जीत के नायक गोलकीपर डीन हेंडरसन रहे। उन्होंने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाई। हेंडरसन ने मैच के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है। लिवरपूल जीत का प्रबल दावेदार था। उसके पास कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और उनकी टीम मजबूत है। हमने तीन महीने के अंदर दो ट्रॉफी जीती हैं। यह अविश्वसनीय है। एफए कप में जीत के साथ पैलेस ने अपने इतिहास में पहली बड़ी ट्रॉफी जीती थी और अब कम्युनिटी शील्ड जीतकर उसने साबित कर दिया कि उसकी पिछली जीत महज संयोग नहीं थी।

**इंटर मियामी की करारी हारः** मेसी दाहिने पैर में चोट लगने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए और मियामी को उनकी बड़ी कमी खली। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी को यह चोट दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में लगी थी। मेसी ने अपने क्लब के 23 मैचों में से 18 मैच में खेलते हुए 18 गोल किए हैं। ऑरलैंडो सिटी की तरफ से लुइस मुरील ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया जबकि मार्टिन ओजेडा ने एक गोल करने के अलावा एक गोल में मदद की। मुरील ने ओजेडा की मदद से दूसरे मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को बढ़त दिलाई, जो केवल तीन मिनट तक कायम रही। यानिक ब्राइट ने अपने 40वें मैच में अपना पहला गोल करके इंटर मियामी को बराबरी पर ला दिया।

# एशिया कप में हार्दिक पंड्या के खेलने पर सस्पेंस

**● NCA में पास करना होगा फिटनेस टेस्ट, इस खिलाड़ी की एंट्री तय!**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 अगले महीने की 9 तारीख से शुरू होगी और इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा. एशिया कप इस बार संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबूधाबी में होना है. इस टूर्नामेंट में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाना है, जिसपर सभी की निगाहें हैं. एशिया कप 2025 से पहले भारतीय टीम की टेंशन बढ़ चुकी हैं. टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव अब तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और वो बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं. सूर्यकुमार यादव को पूरी तरह फिट होने में अभी कम से कम एक हफ्ता और लग सकता है. सूर्यकुमार ने जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी. इसके चलते वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं.

उधर ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस सवालों के दायरे में है. हार्दिक पंड्या फिटनेस टेस्ट देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक फिटनेस टेस्ट 11 और 12 अगस्त को होगा. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की समाप्ति के बाद हार्दिक पंड्या क्रिकेटिंग एक्शन से दूर थे, हालांकि उन्होंने एक महीने पहले ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी. हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, एनसीए की एक छोटी सी ट्रिप.

**श्रेयस अय्यर की वापसी तय :** स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में वापसी हो सकती है. श्रेयस अय्यर 27 से 29 जुलाई के दौरान फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं. श्रेयस अय्यर ने दिसंबर 2023 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है, लेकिन भारतीय चयनकर्ता उनके अनुभव और क्लास को देखते हुए टी20 टीम में शामिल कर सकते हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते श्रेयस अय्यर का दावा मजबूत नजर आ रहा है. एशिया कप 2025 में कुल आठ टीमें भाग लेने जा रही हैं. इस टूर्नामेंट के लिए हार्दिक पांड्या की मौजूदगी काफी अहम होगी. हार्दिक आक्रामक बल्लेबाजी, धारदार सीम बॉलिंग और बेहतरीन फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस पर कड़ी नजर रखी जा रहगी है क्योंकि भारतीय टीम मैनेजमेंट उनसे तीनों डिपार्टमेंट में अपना 100 प्रतिशत देने की अपेक्षा रखती है. भारतीय चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच सभी की नजरें हार्दिक पांड्या की फिटनेस और सूर्यकुमार यादव की रिकवरी पर टिकी हैं. ये दोनों भारत के लिए एक बार फिर एशिया कप खिताब जीतने की राह में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान अगस्त के तीसरे हफ्ते में किया जा सकता है।